PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-02 ● अंक- 12 ● भिलाई, सोमवार 27 जुलाई 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

चौथी बार राष्ट्रपति चुनाव लड़ने की बात पर ट्रंप का मजाकिया ऐलान

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में आयोजित वार्षिक संवाददाता रात्रिभोज के दौरान अपने संबोधन में चौथी बार राष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ने की बात कहकर सभी का ध्यान आकर्षित किया। हालांकि अमेरिकी मीडिया के अनुसार, ट्रंप का यह बयान मजाकिया अंदाज में दिया गया था और इसे औपचारिक चुनावी घोषणा नहीं माना जा रहा है प्रेस की स्वतंत्रता को समर्पित इस वार्षिक समारोह में पहली बार शामिल हुए ट्रंप ने लगभग एक घंटे के अपने भाषण में पत्रकारों, मीडिया संस्थानों और अपने राजनीतिक विरोधियों पर हल्के-फुल्के अंदाज में टिप्पणी की। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने मित्रतापूर्ण चुटकुले भी सुनाए और साथ ही उन समाचार माध्यमों की आलोचना भी की, जिन्हें वह अक्सर फर्जी समाचार प्रसारित करने वाला बताते रहे हैं।ट्रंप ने कहा कि मीडिया हमेशा उनके साथ निष्पक्ष व्यवहार नहीं करता, लेकिन वह पत्रकारिता के पेशे का सम्मान करते हैं। उन्होंने यह भी मजाक में कहा कि जब वह सार्वजनिक जीवन से हट जाएंगे, तब समाचार उद्योग के पास रिपोर्ट करने के लिए कुछ खास नहीं बचेगा।इसके बाद ट्रंप ने ट्रंप 2028 लिखी टोपी पहनते हुए कहा कि वह अमेरिकी राष्ट्रपति के चौथे कार्यकाल के लिए चुनाव लड़ने की घोषणा कर रहे हैं।

काला सागर में एक भारतीय नाविक की मौत

तेहरान। रूस-यूक्रेन युद्ध और पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच समुद्री व्यापारिक मार्गों पर खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। काला सागर में रूसी समुद्री क्षेत्र से गुजर रहे एक वाणिज्यिक जहाज पर हुए हमले में एक भारतीय नाविक की मौत हो गई, जबकि दो अन्य भारतीय सुरक्षित हैं। वहीं, ईरानी जलक्षेत्र में मोजाम्बिक के ध्वज वाले द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) टैंकर दिशा पर भी हमला हुआ, जिसमें सवार सभी 28 भारतीय चालक दल के सदस्य सुरक्षित बताए गए हैं।विदेश मंत्रालय के अनुसार, 18 जुलाई को रूसी समुद्री क्षेत्र में काला सागर से गुजर रहे वाणिज्यिक जहाज एमवी ओमोरफी पर हमला किया गया। जहाज पर कुल 10 चालक दल के सदस्य सवार थे।

पीएम ने कारगिल के वीरों को किया नमन

पीएम मोदी बोले-यह दिन हमें गर्व से भर देता है

नई दिल्ली/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 'मन की बात' के 136 वां एपिसोड के माध्यम से देश को संबोधित किया. उन्होंने कहा कि कुछ तारीखें ऐसी होती हैं, जिन्हें कभी भुलाया नहीं जा सकता और कारगिल विजय दिवस भी उन्हीं में से एक है. यह दिवस हर भारतीय को गर्व महसूस कराता है. आज 26 जुलाई 2026 को भारत 27वां कारगिल विजय दिवस मना रहा है. पीएम ने देश के युवाओं की सराहना करते हुए कहा कि हमारे युवा भारत का नाम रोशन कर रहे हैं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज 'मन की बात' प्रोग्राम के अंतर्गत सबसे पहले कारगिल विजय दिवस पर शहीदों को नमन किया. भारतीय सेना के साहस और बलिदान को याद किया. प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इस साल कारगिल विजय दिवस के मौके पर एक खास 'शौर्य विजय यात्रा' निकाली गई है. पीएम मोदी ने कहा कि इस यात्रा का संदेश है वन राइड, वन नेशन, वन सल्यूट यानी पूरा देश एकजुट होकर अपने वीर जवानों को सम्मान दे. प्रधानमंत्री ने कहा कि आज कारगिल विजय दिवस पूरे देश को गर्व से भर देता है. उन्होंने कहा कि ये दिन हमें अपनी वीर जवानों के अद्भुत साहस की याद दिलाता है. प्रधानमंत्री ने कहा कि हाल ही में भारतीय नौसेना में आईएनएस महेंद्रगिरि शामिल किया गया है. पूरी तरह भारत में डिजाइन और निर्मित किया गया है, जिसमें 75 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री का उपयोग

हुआ है. उन्होंने ने आगे कहा कि साइंस ओलंपियाड दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित प्रतियोगिताओं में से हैं, जिसमें भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन किया. पीएम मोदी ने बताया कि फिजिक्स ओलंपियाड में भारत के सभी पांच छात्रों ने गोल्ड मेडल जीतकर देश को पहला स्थान दिलाया. पिछले रविवार विक्रम-1 का सफल प्रक्षेपण हर भारतीय के लिए गर्व का क्षण था. उन्होंने कहा कि यह प्राइवेट सेक्टर द्वारा विकसित भारत का पहला रॉकेट है. भारत रक्षा उत्पादन, रक्षा निर्यात और मित्र देशों के साथ रक्षा सहयोग के क्षेत्र में लगातार नई ऊंचाइयों को छू रहा है. 'मन की बात' के 136वें एपिसोड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पीवी सिंधु की खिताबी जीत पर बात की। उन्होंने कहा, हाल के समय में हमारे युवाओं ने खेल के क्षेत्र में कई उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। पी.वी. सिंधु बैडमिंटन में जापान ओपन का खिताब जीतने वाली पहली भारतीय बन गई हैं। पूरे देश को उनकी इस उपलब्धि पर गर्व है। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने लंदन के लॉर्ड्स स्टेडियम में अपना पहला टेस्ट मैच भी जीता है। यह एक ऐतिहासिक जीत है। इतना ही नहीं बल्कि उन्होंने विक्रम-1 के लॉन्च पर भी देश के वैज्ञानिकों और जनता को भी बधाई दी।

आईएनएस महेंद्रगिरि भारतीय नौसेना में शामिल

मन की बात के 136वें एपिसोड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, कुछ दिन पहले ही आईएनएस महेंद्रगिरि को भारतीय नौसेना में शामिल किया गया। यह आधुनिक युद्धपोत भारत में ही डिजाइन और तैयार किया गया है। इसमें 75त्न से ज्यादा स्वदेशी सामग्री का इस्तेमाल किया गया है। यह 'आत्मनिर्भर भारत' की बढ़ती ताकत का प्रतीक है।पीएम मोदी ने अपनी मन की बात में पिनारा लॉन्ग रेंज गाइडेड रॉकेट का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, इस महीने डीआरडीओ ने पिनाका लॉन्ग रेंज गाइडेड रॉकेट का भी सफल परीक्षण किया। यह सफलता हमारे वैज्ञानिकों और इंजीनियरों के सामूहिक प्रयासों का नतीजा है। बस 2-3 दिन पहले ही डीआरडीओ ने कुशा मिसाइल का भी सफल परीक्षण किया।

राहुल ने शाह से जवाबदेही की मांग को लिखा लेटर

छात्रों को मारने का आदेश दिया किसने-राहुल गांधी..

नई दिल्ली/ एजेंसी

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद भी सियासी घमासान थमने का नाम नहीं ले रहा है. लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर दिल्ली में 20 जुलाई को हुए छात्र प्रदर्शन के दौरान सुरक्षा बलों की कार्रवाई पर गंभीर सवाल उठाए. राहुल गांधी ने इस मामले में जवाबदेही तय करने की मांग की है. उन्होंने कहा है कि उनकी बात सुनने के बजाय सुरक्षा बलों ने उन पर अंधाधुंध बल प्रयोग किया. एक्ज़िक्यूटिवब्रांच विपक्ष के नेता

राहुल गांधी ने लेटर में प्रदर्शनकारियों पर बल प्रयोग, पैलेट गन के इस्तेमाल और कार्रवाई के लिए जिम्मेदार अधिकारियों को लेकर कई सवाल उठाए हैं. कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने छात्रों के प्रदर्शन में हुए पुलिस कार्रवाई को लेकर केंद्रीय गृहमंत्री से सवाल करते हुए पूछा कि छात्रों पर लाठीचार्ज का आदेश किसने दिया था. केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को लेटर लिखकर 20 जुलाई को जंतर-मंतर पर छात्रों पर हुई पुलिस कार्रवाई पर जवाबदेही तय करने की मांग की है. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से सवाल उठाते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पूछा कि छात्रों को मारने का आदेश किसने दिया छात्र शिक्षा व्यवस्था की मांग को लेकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे थे. सुरक्षा बलों ने उनकी बातों को सुनने की बजाय कथित तौर पर अंधाधुंध बल प्रयोग किया.

पुरी बहुड़ा रथ यात्रा में एक और श्रद्धालु की मौत, मृतकों की संख्या तीन पहुंची

पुरी। ओडिशा के पुरी में भगवान जगन्नाथ की बहुड़ा रथ यात्रा (वापसी रथ यात्रा) के दौरान शुक्रवार को एक और श्रद्धालु की मौत हो गई। इसके साथ ही इस वर्ष की रथ यात्रा के दौरान जान गंवाने वाले श्रद्धालुओं की संख्या बढ़कर तीन हो गई है। वहीं यात्रा के दौरान 100 से अधिक श्रद्धालुओं के बीमार होने और घायल होने की भी सूचना है, जिनमें अधिकांश को उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। पुलिस के अनुसार, रथ खींचने के दौरान कटक निवासी 54 वर्षीय अभिराम दास की अचानक तबीयत बिगड़ गई। उन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

सिद्धारमैया का राजनीति से संन्यास!

खुद किया बड़ा ऐलान 2028 चुनाव नहीं लड़ेंगे-सिद्धारमैया

नई दिल्ली/ एजेंसी

कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने चुनावी राजनीति से संन्यास लेने का ऐलान कर दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह 2028 का कर्नाटक विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे। एक विस्तृत संदेश जारी करते हुए उन्होंने बढ़ती उम्र, स्वास्थ्य और राजनीति में बढ़ते भ्रष्टाचार को अपने फैसले की प्रमुख वजह बताया। सिद्धारमैया ने कहा कि अब उनकी उम्र 79 वर्ष हो चुकी है और 2028 तक वह 82 वर्ष के हो जाएंगे। उन्होंने लिखा कि पहले जैसी ऊर्जा

और स्वास्थ्य अब नहीं रहा, इसलिए उन्होंने भविष्य में कोई भी चुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया है।अपने संदेश में सिद्धारमैया ने कहा, आज राजनीति का क्षेत्र पूरी तरह भ्रष्ट हो चुका है। इसी कारण मैंने 2028 का विधानसभा चुनाव नहीं लड़ने का निर्णय लिया है। हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि चुनाव नहीं लड़ने का मतलब राजनीति से पूरी तरह दूर होना नहीं है। उन्होंने कहा कि वह सक्रिय राजनीति में बने रहेंगे और जनता की समस्याओं एवं उनके हितों की आवाज उठाते रहेंगे।पूर्व मुख्यमंत्री ने बताया कि उनके विधानसभा क्षेत्र वरुणा के लोग एक बार फिर उन्हें चुनाव लड़ने के लिए कह रहे हैं, लेकिन उन्होंने अपना निर्णय बदलने से इनकार कर दिया है।उन्होंने कहा कि पहले चुनाव के दौरान जनता स्वयं आर्थिक सहयोग करती थी

केंद्रीय राजनीति की अटकलों पर लगाया विराम

देवेंद्र बोले- महाराष्ट्र में हूं और यहीं रहूंगा

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने केंद्रीय राजनीति में जाने की अटकलों पर विराम लगाते हुए साफ कर दिया है कि वह महाराष्ट्र की राजनीति में ही सक्रिय रहेंगे। पिछले कुछ दिनों से उनके दिल्ली दौरे के बाद केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल होने और केंद्रीय शिक्षा मंत्री बनाए जाने की चर्चाएं तेज थीं। हालांकि, फडणवीस ने इन अटकलों को पूरी तरह खारिज कर दिया।मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा, मैं कल दिल्ली से नागपुर आया, आज नागपुर में हूं और शाम को मुंबई जाऊंगा। मैं महाराष्ट्र में हूं और महाराष्ट्र में ही रहूंगा। उनके इस बयान से स्पष्ट

हो गया है कि फिलहाल वह केंद्र की राजनीति में जाने के बजाय महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के तौर पर अपनी जिम्मेदारी निभाते रहेंगे। शिवसेना (यूबीटी) और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) की ओर से मुंबई में आयोजित जश्न रैली को लेकर भी मुख्यमंत्री ने प्रतिक्रिया दी।

ईरानी जलक्षेत्र में एलपीजी टैंकर पर हमला, सभी 28 भारतीय नाविक सुरक्षित

तेहरान। ईरानी जलक्षेत्र में मोजाम्बिक के ध्वज वाले तरलीकृत पेट्रोलियम गैस एलपीजी टैंकर 'दिशा' पर हुए हमले के बाद जहाज पर सवार सभी 28 भारतीय नाविक सुरक्षित हैं। तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने शुक्रवार को इसकी आधिकारिक पुष्टि करते हुए कहा कि वह स्थानीय अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क बनाए हुए है और स्थिति पर निकटता से नजर रख रहा है। भारतीय दूतावास ने अपने बयान में कहा कि एलपीजी टैंकर 'दिशा' (आईएमओ संख्या- 8818219) से जुड़ी घटना की जानकारी प्राप्त होते ही संबंधित अधिकारियों से संपर्क किया गया।

सीजीपीएससी घोटाला

सीबीआई के बाद ईडी की एंट्री, सीएम साय ने कहा करप्शन के खिलाफ भाजपा की जीरो टॉलरेंस नीति

रायपुर/ संवाददाता

सीजीपीएससी घोटाला मामले में अब प्रवर्तन निदेशालय की एंट्री हो चुकी है. टामन सिंह सोनवानी से रिमांड अवधि के दौरान मनी लॉन्ड्रिंग के एंगल से पूछताछ की जाएगी. मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने भाजपा सरकार को करप्शन मामले में जीरो टॉलरेंस नीति अपनाने वाला बताया.मुख्यमंत्री साय ने कहा कि पूर्व कांग्रेस सरकार में प्रदेश के छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ हुआ था. प्रधानमंत्री मोदी ने युवाओं से सीजीपीएससी घोटाले की जांच का वादा किया था. हमारी (भाजपा) पार्टी करप्शन के मामले में जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाती है. उन्होंने कहा कि किसी भी क्षेत्र में कोई भी अपराध करेगा तो कठोर कार्रवाई की जाएगी. जो भी दोषी पाए गए हैं, उन पर कार्रवाई हो रही है.

मन की बात में छत्तीसगढ़ का जिक्र

प्रधानमंत्री मोदी के रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 136वें एपिसोड में आज छत्तीसगढ़ का जिक्र हुआ. मुख्यमंत्री साय ने कहा कि यह सौभाग्य का विषय है कि प्रधानमंत्री छग का जिक्र करते हैं.

बीते दिनों बस्तर पण्डुम, मल्हार का ताम्र पत्र का जिक्र मन की बात हुई थी. पीएम मोदी ने इस एपिसोड में कैच द रैन अभियान में अपनी अलग पहचान बनाने वाले कोरबा का जिक्र किया. प्रधानमंत्री ने गणेश चतुर्थी में अपने गांव से बनी से बनी मिट्टी की मूर्ति घर लाने का आव्हान किया.

बीजेपी के लिए देश सर्वोपरि है: सीएम साय

केंद्रीय शिक्षा मंत्री के पद धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफा को लेकर रविवार को सीएम साय ने कहा कि बीजेपी के लिए देश सर्वपरि है. धर्मेंद्र प्रधान ने नैतिकता के आधार पर इस्तीफा दिया है. वह संगठन के प्रभारी भी रहे हैं. उन्होंने कहा कि बीजेपी सिद्धांतवादी पार्टी है. हम जनता की सेवा और देश की सेवा के लिए सरकार में आते हैं. धर्मेंद्र प्रधान प्रदेश के संगठन के प्रभारी भी रहे हैं.

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री के रूप में कार्यभार संभाला

शिक्षामंत्री बनते ही एक्शन में प्रह्लाद जोशी, पहले दिन अधिकारियों संग की हाई लेवल बैठक

नई दिल्ली/ एजेंसी

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री के रूप में कार्यभार संभाल लिया है। रविवार को उन्होंने मंत्रालय का कार्यभार संभाला और शिक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक भी की। जोशी को यह जिम्मेदारी ऐसे समय सौंपी गई है, जब देश में शिक्षा व्यवस्था, प्रतियोगी परीक्षाओं की पारदर्शिता और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन जैसे विषयों पर व्यापक चर्चा चल रही है। गौरतलब है कि राष्ट्रपति द्वारा पूर्व शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा स्वीकार किए जाने के बाद प्रधानमंत्री की सलाह पर प्रह्लाद जोशी को शिक्षा मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। कार्यभार संभालने के बाद प्रह्लाद जोशी ने तुरंत ही शिक्षा मंत्रालय के कामकाज से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों से बातचीत की। दरअसल शिक्षा मंत्रालय देश के भविष्य से जुड़ा अत्यंत महत्वपूर्ण मंत्रालय है। नए शिक्षा मंत्री के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रभावी

क्रियान्वयन के साथ-साथ उच्च शिक्षा, विद्यालयी शिक्षा, कौशल विकास और अनुसंधान को भी नई गति देने महत्वपूर्ण माना जा रहा है। प्रह्लाद जोशी केंद्र सरकार के वरिष्ठ मंत्रियों में गिने जाते हैं। वह वर्तमान में उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय की जिम्मेदारी पहले से ही संभाल रहे हैं। इससे पहले वह संसदीय कार्य मंत्री, कोयला मंत्री और खान मंत्री जैसे महत्वपूर्ण विभागों का का कार्यभार संभाल चुके हैं। उनकी पहचान एक अनुभवी संसदीय रणनीतिकार और संगठनात्मक क्षमता वाले नेता के रूप में रही है। कर्नाटक की धारवाड़ लोकसभा सीट से लगातार पांच बार सांसद चुने जा चुके प्रह्लाद जोशी भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेताओं में शामिल हैं। लंबे संसदीय अनुभव और प्रशासनिक कार्यशैली के कारण उन्हें सरकार में कई अहम जिम्मेदारियां मिलती रही हैं। फिलहाल जोशी के सामने सबसे बड़ी चुनौती देश की परीक्षा प्रणाली में लोगों का विश्वास मजबूत करना है। जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के पिछले 12 वर्षों में शिक्षा के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल हुई हैं। उन्होंने कहा कि पिछले 4-5 वर्षों में धर्मेंद्र प्रधान ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन और कई अहम पहलों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

रक्षा मंत्री ने पड़ोसी को दिया चेतावनी

पाकिस्तान से अब सिर्फ पीओके पर बात होगी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को द्रास स्थित कारगिल युद्ध स्मारक पर आयोजित विजय दिवस समारोह में हिस्सा लिया. रविवार को उन सैनिकों को श्रद्धांजलि दी, जिन्होंने 1999 के कारगिल युद्ध के दौरान देश के लिए अपनी जान कुर्बान कर दी थी. कारगिल विजय दिवस के मौके पर स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की. इस अवसर पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कड़ा संदेश देते हुए कहा कि पीओके लिए बिना अब पाकिस्तान से कोई बातचीत नहीं होगी. पाकिस्तान का जिक्र करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि हमें यह याद रखना होगा कि आज भी चुनौतियां कम

नहीं हुई हैं; घुसपैठियों का इरादा नहीं बदला है. कारगिल विजय दिवस के मौके पर द्रास में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान को लेकर भारत का रुख साफकिया. कारगिल विजय दिवस के मौके पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान को चेताते हुए कहा कि अब क्क्षय के अलावा पाकिस्तान से किसी भी विषय पर चर्चा नहीं होगी.

C M Y K

पेड़ सिर्फलगाइए नहीं, उन्हें परिवार की तरह पालिए, हरिलीला ट्रस्ट ने हाथीटिकरा से शुरू किया हरित अभियान

आज लगाया गया हर पौधा आने वाली पीढ़ियों के लिए सबसे बड़ी विरासत बनेगा: अमर सुल्तानिया

चांपा। पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप देने के उद्देश्य से हरिलीला चेरिटेबल ट्रस्ट, बनारी (जांजगीर-नैला) द्वारा ग्राम पंचायत हाथीटिकरा के खेल मैदान से वृक्षारोपण अभियान (हरित अभियान) का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर हरिलीला चेरिटेबल ट्रस्ट एवं श्याम वेयर हाउसिंग एंड पॉवर प्रा. लि. के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित संक्षिप्त लेकिन सार्थक कार्यक्रम में ग्रामीणों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर लगभग 500 पेड़ लगाए और उनके संरक्षण का संकल्प लिया। इस अवसर पर कार्यक्रम का शुभारंभ धरती माता की पूजा अर्चना कर नारियल फोड़कर और मिठाई बांटकर किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ट्रस्ट के सचिव अमर सुल्तानिया ने कहा कि पेड़ लगाना ही पर्याप्त नहीं है, उन्हें परिवार के सदस्य की तरह स्नेह, सुरक्षा और देखभाल देना भी हमारी जिम्मेदारी है। आज लगाया गया प्रत्येक पौधा आने वाली पीढ़ियों के लिए हमारी सबसे बड़ी धरोहर बनेगा। आइए, वृक्षारोपण को केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि जनभागीदारी का स्थायी अभियान बनाएं। उन्होंने सभी लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने का आह्वान किया, ताकि क्षेत्र हराभरा बने और पर्यावरण संतुलित रहे। कायक्रम में विशेष रूप उपस्थित छत्तीसगढ़ शासन के पूर्व मंत्री मेघाराम साहू ने हरिलीला चेरिटेबल ट्रस्ट के हरित अभियान की सराहना करते की और उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए कहा कि हरित प्रदेश का सपना तभी साकार होगा, जब पौधरोपण के साथ उनके संरक्षण की जिम्मेदारी भी समाज निभाएगा। उन्होंने कहा कि बच्चों और युवाओं को वृक्षों के प्रति संवेदनशील बनाना समय की आवश्यकता है। लगाए गए पौधों को सुरक्षित रखते हुए उन्हें विशाल वृक्ष बनते देखना ही इस अभियान की वास्तविक सफलता होगी। कार्यक्रम में अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन ने भी अपनी सक्रिय भागीदारी निभाई। इस अवसर पर अध्यक्ष संजय भोपालपुरिया तथा ग्राम पंचायत हाथीटिकरा के सरपंच प्रतिनिधि सरोज साहू, बनारी सरपंच देवनारायण सिदार ने भी संबोधित करते हुए पर्यावरण संरक्षण में जनसहभागिता को आवश्यक बताया। कार्यक्रम का संचालन बृजेश अग्रवाल ने किया, जबकि प्रकाश शर्मा ने आभार प्रदर्शन किया। इस अवसर पर वीरेंद्र सिंह, सरोज साहू एवं पंचगण, ग्राम पंचायत बनारी के सरपंच देवनारायण सिदार, अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के जिला अध्यक्ष संजय भोपालपुरिया, जिला महामंत्री बृजेश अग्रवाल, तपन अग्रवाल, हरि मोदी, अंकित झाझरिया, राहुल अग्रवाल (हरदी) सहित रामेश्वर सिंह उपसरपंच हाथीटिकरा, धनपत धीवर उपसरपंच बनारी, पंच महेंद्र पटेल, पंच मनोज पटेल (पंच), सुशील पटेल, लक्ष्मीकांत पटेल, राहुल पटेल, राजा सूर्यवंशी, सतीश यादव, मनोज वैष्णव, रामप्रसाद गोंड़, राजेश्वर वैष्णव, संजू चौहान, प्रियांशु नर्मदा, अमर पटेल, रितेश पटेल, पंकज यादव, उदय पटेल, रामचरण पटेल। अरुण यादव, सुरेंद्र सिदार, विकास पटेल, लटेश्वर यादव, सुरजीत साहू, मानसिंह चौहान, लक्ष्मी पटेल, दीपक गोड़, बजरंग यादव कृष्ण कुमार, राजेश पटेल, मनोज कुमार, गणेश चौहान, महत्तर शिन्दे, शंभू पटेल, दिनेश वैष्णव सही युवा एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत सरस्वती नगर में स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन, विजेताओं को किया गया सम्मानित

दुर्ग। प्रधानमंत्री आवास योजना (एसपी घटक) अंतर्गत सरस्वती नगर आवास परिसर में स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आवासीय परिसर के हितग्राहियों में राष्ट्रीय भावना, रचनात्मकता एवं सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा देना था। नगर पालिक निगम दुर्ग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में रंगोली प्रतियोगिता, निबंध लेखन एवं कविता (पोयम) प्रतियोगिता आयोजित की गई। इन प्रतियोगिताओं में बड़ी संख्या में महिलाओं, युवाओं एवं बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर सहायक अभियंता हरिशंकर साहू ने प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने सभी प्रतिभागियों की सक्रिय भागीदारी की सराहना करते हुए भविष्य में भी इसी उत्साह के साथ ऐसे आयोजनों में शामिल होने के लिए प्रेरित किया।पूरे कार्यक्रम के दौरान सरस्वती नगर आवास परिसर का वातावरण उत्साह, उमंग एवं देशभक्ति से ओत-प्रोत रहा। उपस्थित हितग्राहियों ने इस आयोजन की भूरी-भूरी प्रशंसा करते हुए नगर निगम के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम समय-समय पर आयोजित होते रहने चाहिए, जिससे आपसी भाईचारा और सामुदायिक सहभागिता को और अधिक मजबूती मिले। रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले हितग्राहियों नाम धनेश्वरी पांडे,सोनी सिंह,पुष्पा गौतम,साक्षी देवांगन,मीरा टांगे।

नीट पेपर लीक और छात्रा हरिका राव नायडू को न्याय दिलाने की मांग पर कांग्रेस का कैंडल मार्च, छात्रों पर लाठीचार्ज के विरोध में सरकार को घेरा

भिलाई-चरोदा। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी एवं जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग (ग्रामीण) के निर्देश पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी भिलाई-चरोदा द्वारा गुरुवार को न्याय की मांग को लेकर विशाल कैंडल मार्च एवं विरोध प्रदर्शन आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी, कार्यकर्ता, पार्षद, युवा नेता तथा कॉलेज के छात्र-छात्राएं शामिल हुए। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने जगदलपुर की होनहार छात्रा स्वर्गीय हरिका राव नायडू को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके परिवार को न्याय दिलाने की मांग उठाई। कार्यक्रम की शुरुआत शाम 5 बजे सिरसा गेट चौक पर श्रद्धांजलि सभा से हुई। इसके बाद हाथों में कैंडल और मशाल लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सिरसा गेट चौक से हनुमान मंदिर, चरोदा तक मार्च निकाला। पूरे मार्ग में छात्रों को न्याय दो, नीट पेपर लीक की निष्पक्ष जांच कराओ÷ और ÷छात्रों पर लाठीचार्ज बंद करो÷ जैसे नारों से माहौल गूंजता रहा। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि प्रतियोगी परीक्षाओं की पारदर्शिता पर लगातार सवाल खड़े हो रहे हैं और युवाओं का भविष्य असुरक्षित होता जा रहा है। उन्होंने कहा कि नीट परीक्षा पेपर लीक जैसे मामलों की निष्पक्ष एवं समयबद्ध जांच कर दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए, ताकि लाखों मेहनती विद्यार्थियों का विश्वास कायम रह सके। प्रदर्शन के दौरान नेताओं ने हालिया छात्र आंदोलन के दौरान छात्रों पर हुए कथित बर्बर लाठीचार्ज की भी कड़ी निंदा की। उनका कहना था कि अपनी मांगों को शांतिपूर्ण ढंग से रखने वाले विद्यार्थियों पर बल प्रयोग लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत है। कांग्रेस ने सरकार से इस पूरे प्रकरण की जवाबदेही तय करने और दोषी अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की। सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि यह आंदोलन किसी राजनीतिक लाभ के लिए नहीं, बल्कि छात्रों के सम्मान, सुरक्षा और न्याय की आवाज को बुलंद करने के लिए है। उन्होंने कहा कि जब तक पीड़ितों को न्याय नहीं मिलेगा और परीक्षा व्यवस्था पूरी तरह पारदर्शी नहीं बनेगी, तब तक कांग्रेस युवाओं के साथ मजबूती से खड़ी रहेगी। इस अवसर पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष राकेश ठाकुर, भिलाई-चरोदा महापौर निर्मल कोसरे, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष श्रीकांत वर्मा, सुजीत बघेल, संदीप सिंह, मोनू माखीजा, पप्पू चंद्राकर, युवराज कश्यप, ललित साहू, टेनेंद्र ठाकरे, भारती राम सूर्यवंशी, पार्षद मोहन साहू, संतोष तिवारी, डे साहब वर्मा, ईश्वर साहू, अभिषेक वर्मा, मनीष वर्मा, रविन्द्र हरपाल, नजरुल इस्लाम, देव कुमारी भलावी, कुमुद मढ़रिया, मंजू साहू, गायत्री साहू, कुमारी डिमर, दीक्षा पांडे, एम. सुनीता, उपासना, गिरजा शंकर बंछोर, दीपेश साहू, शारद यादव, तरुण, सूर्यांश, अशफाक अहमद, टीकम भास्कर, बहल राम साहू सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी, कार्यकर्ता और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कांग्रेस ने स्पष्ट किया कि यदि छात्रों से जुड़े

महापौर ने नाली निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण, गुणवत्ता एवं जल निकासी से समझौता नहीं होगा

वॉटर फ्लो टेस्ट के बाद ही बनेगा देयक, अधिकारियों को दिए सख्त तकनीकी निर्देश

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग सीमा क्षेत्र अंतर्गत महापौर अलका बाघमार ने आज वार्ड क्रमांक 23 दीपक नगर, मालवीय नगर तथा वार्ड क्रमांक 16 सिकोला भाठा क्षेत्र में निर्माणाधीन नाली कार्यों का स्थल निरीक्षण कर गुणवत्ता, तकनीकी मानकों एवं जल निकासी व्यवस्था का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान लोक कर्म विभाग के प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर, एमआईसी सदस्य निलेश अग्रवाल, पार्षद मनोज सोनी, उप अभियंता पंकज साहू, सिद्धार्थ साहू, उप अभियंता अपर्णा मिश्रा सहित निगम के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान महापौर ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी नाली निर्माण कार्य स्वीकृत डीपीआर, स्वीकृत ड्राइंग एवं निर्धारित तकनीकी विनिर्देशों के अनुरूप ही किए जाएं। उन्होंने कहा कि नालियों में निर्धारित डिज़ाइन के अनुसार पर्याप्त एवं समान ढाल (ग्रेडिएंट) सुनिश्चित की जाए, ताकि वर्षा एवं अपशिष्ट जल का निर्बाध प्रवाह बना रहे और कहीं भी जलभराव की स्थिति उत्पन्न न हो। महापौर ने कहा कि निर्माण कार्य प्रारंभ करने से पहले प्रारंभिक एवं अंतिम लेवल का परीक्षण अनिवार्य रूप से किया जाए। निर्माण में उपयोग होने वाली सीमेंट, गिट्टी, रेत सहित सभी सामग्री निर्धारित गुणवत्ता एवं मानकों के अनुरूप हो तथा नाली के जॉइंट्स, फिनिशिंग एवं सतह को मजबूत एवं समतल बनाया जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि निर्माण कार्य के दौरान सड़क, पेयजल पाइपलाइन, विद्युत पोल एवं अन्य सार्वजनिक सुविधाओं को किसी प्रकार की क्षति न पहुंचे तथा निकलने वाले मलबे का नियमित निष्पादन कर आवागमन सुचारु बनाए रखा जाए। महापौर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किए जाएं, लेकिन गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि कार्य पूर्ण होने के बाद नाली में पानी प्रवाहित कर वॉटर फ्लो टेस्ट कराया जाए। परीक्षण में ढाल एवं जल निकासी संतोषजनक पाए जाने के बाद ही संबंधित कार्य का देयक तैयार किया जाए। महापौर अलका बाघमार ने कहा कि नगरवासियों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना नगर निगम की सर्वोच्च प्राथमिकता है। नाली निर्माण कार्य केवल निर्माण तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि उसका उद्देश्य वर्षों तक सुचारु जल निकासी सुनिश्चित करना है।

गुणवत्ता में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और प्रत्येक निर्माण कार्य की नियमित निगरानी की जाएगी। लोक कर्म विभाग के प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर ने कहा कि नगर निगम द्वारा सभी निर्माण कार्यों की सतत मॉनिटरिंग की जा रही है। अधिकारियों को तकनीकी मानकों का पूर्ण पालन करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रत्येक कार्य का निरीक्षण कर गुणवत्ता सुनिश्चित की जाएगी तथा निर्धारित समय-सीमा के भीतर सभी विकास कार्य पूर्ण कर नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

भारतीय मजदूर संघ के स्थापना दिवस पर स्वायत्तशासी कर्मचारी संघ ने दी एकजुटता और श्रमिक सम्मान की मिसाल

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग परिसर के बाहर आज स्वायत्तशासी कर्मचारी संघ द्वारा भारतीय मजदूर संघ के स्थापना दिवस के अवसर पर सादगीपूर्ण एवं गरिमामय कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर संघ के पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों ने एक-दूसरे को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए संगठन की एकता, श्रमिक हितों की रक्षा एवं राष्ट्र निर्माण में श्रमिकों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। कार्यक्रम में स्वायत्तशासी कर्मचारी संघ के अध्यक्ष संजय मिश्रा, महामंत्री अनिल सिंह, शशिकांत यादव, सत्यनारायण शर्मा, ईश्वर वर्मा, चंदन मनहरे,शानू कोठारी, गंगाधर ठाकरे, हेमलता वर्मा, रेखा कुर्रे, योगेंद्र वर्मा, प्रेंसी, सूरज सारथी सहित बड़ी संख्या में अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर महामंत्री अनिल सिंह ने कहा कि भारतीय मजदूर संघ देश का सबसे बड़ा श्रमिक संगठन है, जिसने सदैव श्रमिकों के अधिकारों, सम्मान और सामाजिक सुरक्षा के लिए संघर्ष किया है। उन्होंने कहा कि संगठन की शक्ति उसकी एकता और अनुशासन में निहित होती है। कर्मचारी यदि संगठित होकर अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें तो संस्थान की प्रगति के साथ-साथ समाज और राष्ट्र के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

3 किलोवाट रूफटॉप सोलर प्लांट ने दुर्ग के संतोष मेहता को बनाया ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर

दुर्ग। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना आम नागरिकों के लिए आर्थिक बचत, ऊर्जा आत्मनिर्भरता और पर्यावरण संरक्षण का सशक्त माध्यम बनकर सामने आई है। योजना का उद्देश्य प्रत्येक पात्र परिवार को स्वच्छ ऊर्जा से जोड़ते हुए बिजली बिल के बोझ को कम करना तथा अतिरिक्त बिजली उत्पादन के माध्यम से आय का अवसर उपलब्ध कराना है। दुर्ग शहर के गिरधारी नगर, वार्ड क्रमांक 9 की निवासी संतोष मेहता इस योजना का लाभ लेकर न केवल अपने परिवार का बिजली खर्च लगभग समाप्त करने में सफल हुए हैं, बल्कि अब अतिरिक्त बिजली उत्पादन कर आर्थिक लाभ की दिशा में भी आगे बढ़ रहे हैं। संतोष मेहता बताते हैं कि कुछ समय पहले तक उनके परिवार को हर माह बिजली बिल का भुगतान करना पड़ता था। गर्मी के मौसम में बिजली की खपत बढ़ने से बिल भी अधिक आता था, जिससे घरेलू बजट प्रभावित होता था। इसी दौरान उन्हें प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना की जानकारी मिली। उन्होंने योजना की पूरी प्रक्रिया समझी और अपने घर की छत पर 3 किलोवाट क्षमता का रूफटॉप सोलर प्लांट स्थापित कराया। उन्होंने बताया कि इस परियोजना के लिए केंद्र सरकार से 78,000 तथा छत्तीसगढ़ शासन से 30,000 की सब्सिडी प्राप्त हुई। कुल 1.08 लाख की सरकारी सहायता मिलने से सोलर प्लांट की स्थापना आसान और किफायती हो गई। सोलर प्लांट स्थापित होने के बाद उनके घर की अधिकांश बिजली आवश्यकता सूर्य की ऊर्जा से पूरी होने लगी। अब उन्हें पहले की तरह हर महीने बिजली बिल की चिंता नहीं रहती। इसके साथ ही सोलर प्लांट से घर की आवश्यकता से अधिक बिजली का उत्पादन भी हो रहा है। यह अतिरिक्त बिजली नेट मीटरिंग प्रणाली के माध्यम से विद्युत वितरण कंपनी के ग्रिड में भेजी जा रही है। निर्धारित अवधि के बाद इस अतिरिक्त बिजली का आर्थिक लाभ भी उन्हें प्राप्त होगा। मेहता का कहना है कि प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना ने उनके परिवार को केवल बिजली बिल से राहत ही नहीं दी, बल्कि भविष्य के लिए बचत का एक नया माध्यम भी उपलब्ध कराया है।

भिलाई निगम आयुक्त की सख्ती, विकास कार्यों में तेजी और नागरिक सुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई की आयुक्त सुरूचि सिंह ने निगम मुख्य कार्यालय में विकास, निर्माण, सौंदर्यीकरण एवं नागरिक सुविधाओं से जुड़े कार्यों की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को स्पष्ट संदेश दिया कि शहर के विकास और नागरिकों की मूलभूत सुविधाओं से जुड़े सभी कार्य तय समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरे किए जाएं। उन्होंने कहा कि लापरवाही या अनावश्यक देरी किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी। समीक्षा बैठक में मुख्य कार्यालय सहित सभी जोन कार्यालयों के अधिकारी मौजूद रहे। आयुक्त ने निगम की कार्यप्रणाली को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाने के लिए ई-ऑफिस प्रणाली को प्राथमिकता से लागू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी फाइलें शत-प्रतिशत डिजिटल सिग्नेचर के साथ ई-ऑफिस के माध्यम से प्रस्तुत की जाएं, ताकि शासकीय कार्यों में तेजी आए और फाइलों का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित हो सके। आयुक्त ने सभी जोन आयुक्तों एवं विभागीय अधिकारियों को प्रतिदिन अपने-अपने क्षेत्रों का भ्रमण कर जमीनी स्तर पर व्यवस्थाओं का निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नागरिकों की समस्याओं का समाधान केवल कार्यालयों में बैठकर नहीं, बल्कि मौके पर पहुंचकर किया जाए। साथ ही सीएम हेल्पलाइन से प्राप्त शिकायतों का त्वरित निराकरण करने और लंबित मामलों को गंभीरता से लेते हुए समय पर समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। बैठक में लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ नंदिनी रोड से अवंति बाई चौक तक लगभग पांच किलोमीटर सड़क निर्माण की प्रगति की समीक्षा की गई। आयुक्त ने निर्माण कार्य में तेजी लाने के साथ ही शहर की मुख्य सड़कों पर बने गड्ढों की तत्काल मरम्मत कराने के निर्देश दिए, ताकि आवागमन सुगम हो और दुर्घटनाओं की आशंका कम की जा सके। प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा के दौरान आयुक्त ने कहा कि पात्र एवं मकानविहीन परिवारों को समय पर आवास उपलब्ध कराना निगम की प्राथमिकता है।

महापौर ने पर्यावरण संरक्षण को लेकर ली समीक्षा बैठक, 1500 पौधों के रोपण एवं दो वर्ष तक देखरेख की बनेगी योजना

'एक पेड़ मां के नाम' अभियान को मिलेगी नई गति

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग की महापौर अलका बाघमार ने अपने कक्ष में पर्यावरण संरक्षण एवं शहर के उद्यानों के विकास को लेकर महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की। बैठक में पर्यावरण प्रभारी काशीराम कोसरे, कार्यपालन अभियंता मोहम्मद सलीम सिद्दीकी, सहायक अभियंता हरिशंकर साहू, उप अभियंता पंकज साहू तथा उद्यान प्रभारी अनिल सिंह उपस्थित रहे। बैठक में शहर को अधिक हरित एवं पर्यावरण अनुकूल बनाने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। महापौर अलका बाघमार ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि भवन अनुज्ञा की प्रक्रिया में पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता दी जाए। बैठक में शहर के लगभग 30 उद्यानों के संधारण एवं रखरखाव को व्यवस्थित करने के लिए ठेका पद्धति व स्व सहायता महिला समूह को अपनाने का निर्णय लिया गया। उद्यानों में नियमित सिंचाई के लिए नल कनेक्शन उपलब्ध कराने, आवश्यक मानव संसाधन की व्यवस्था करने तथा उद्यानों के रखरखाव हेतु विस्तृत प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए। साथ ही निगम परिसर में भी व्यापक स्तर पर पौधारोपण एवं सौंदर्यीकरण कार्य कराने पर जोर दिया गया। महापौर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के आह्वान पर संचालित एक पेड़ मां के नाम अभियान को शहर में प्रभावी रूप से आगे बढ़ाया जाएगा। इसके लिए प्रारंभिक चरण में 15 वार्डों का चयन कर विशेष पौधारोपण अभियान चलाने की तैयारी की जाएगी।

प्रधानमंत्री आवास योजना को मिली गति, 348 आवेदनों की जांच पूरी; 340 पात्र, 8 आवेदन अपूर्ण

भिलाईनगर। प्रधानमंत्री आवास योजना (मोर मकान मोर आस) के तहत नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा बेघर एवं जरूरतमंद परिवारों को आवास उपलब्ध कराने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। योजना के अंतर्गत अब तक प्राप्त 348 आवेदन पत्रों की निकाय स्तरीय समिति ने विस्तृत जांच की, जिसमें 340 आवेदन पात्र पाए गए, जबकि 08 आवेदन आवश्यक दस्तावेजों के अभाव में अपूर्ण पाए गए। पात्र हितग्राहियों को नियमानुसार स्वीकृति मिलने के बाद निर्धारित प्रक्रिया के तहत आवास आवंटित किए जाएंगे। नगर पालिक निगम भिलाई के सभागार में आयोजित निकाय स्तरीय समिति की बैठक में प्राप्त सभी आवेदन पत्रों का बारीकी से परीक्षण किया गया। समिति के सदस्यों ने आवेदकों द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों और पात्रता संबंधी सभी आवश्यक मापदंडों का अवलोकन कर आवेदन पत्रों की जांच की। नगर निगम के अनुसार, योजना के तहत झुग्गी बस्तियों एवं गैर-स्लम क्षेत्रों में किरायेदार के रूप में निवासरत पात्र परिवारों से लगातार आवेदन प्राप्त किए जा रहे हैं और आवास शाखा द्वारा उनकी विधिवत जांच कर समिति के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है। निगम प्रशासन ने बताया कि समिति से पात्रता की स्वीकृति मिलने के बाद हितग्राहियों से निर्धारित 10 प्रतिशत अंशदान राशि जमा कराई जाएगी। इसके बाद पूरी पारदर्शिता के साथ लॉटरी प्रणाली के माध्यम से आवासों का आवंटन किया जाएगा। अपूर्ण पाए गए आवेदनों के संबंध में भी नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पीएम आवास योजना : 21 हितग्राहियों का साकार हुआ अपने घर का सपना

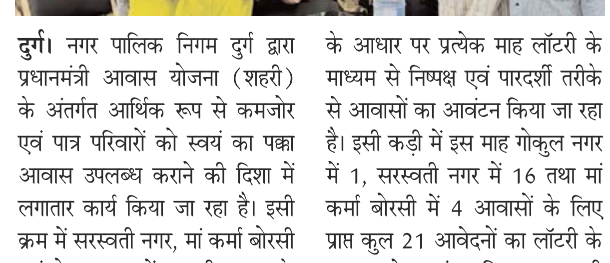

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत आर्थिक रूप से कमजोर एवं पात्र परिवारों को स्वयं का पक्का आवास उपलब्ध कराने की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में सरस्वती नगर, मां कर्मा बोरसी एवं गोकुल नगर में एएचपी घटक के तहत निर्मित आवासों के आवंटन की प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से जारी है। शहरवासियों के लिए आकर्षक एवं किफायती दरों पर निर्मित इन आवासों के प्रति लगातार बढ़ती रुचि को देखते हुए निगम को प्रतिमाह बड़ी संख्या में आवेदन प्राप्त हो रहे हैं। प्राप्त आवेदनों के आधार पर प्रत्येक माह लॉटरी के माध्यम से निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से आवासों का आवंटन किया जा रहा है। इसी कड़ी में इस माह गोकुल नगर में 1, सरस्वती नगर में 16 तथा मां कर्मा बोरसी में 4 आवासों के लिए प्राप्त कुल 21 आवेदनों का लॉटरी के माध्यम से आवंटन किया गया। पूरी प्रक्रिया हितग्राहियों की उपस्थिति में संपन्न हुई, जहां प्रत्येक हितग्राही ने स्वयं पर्ची निकालकर अपने आवास का चयन किया। इससे आवंटन प्रक्रिया की निष्पक्षता एवं पारदर्शिता पूरी तरह सुनिश्चित हुई।

संक्षिप्त समाचार

12 साल की नाबालिग बेटी से पिता ने किया दुष्कर्म

रायपुर। बालोद जिले गुंडरदेही थाना क्षेत्र में एक पिता के द्वारा अपनी ही 12 वर्षीय नाबालिग बेटी के साथ दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। पीड़िता की मां की शिकायत के आधार पर पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को न्यायालय में पेश करने के बाद न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। मिली जानकारी के अनुसार, यह पूरा मामला बालोद जिले के गुंडरदेही थाना क्षेत्र का है। पीड़ित बच्ची अपनी मां के साथ थाने पहुंची और अपने पिता के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में नाबालिग ने अपने साथ हुई घटना की जानकारी पुलिस को दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने बिना देरी किए अपराध दर्ज किया और जांच शुरू कर दी। बताया जा रहा है कि शिकायत मिलने के बाद पुलिस टीम ने आरोपी की तलाश शुरू की। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद उसे न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेजने का आदेश दिया गया। पुलिस अब मामले से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

महिला आरक्षक 10 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार, एसीबी की कार्रवाई

रायपुर । कोड़ेनार थाना में पदस्थ महिला आरक्षक तिलेश्वरी साहू को एंटी करप्शन ब्यूरो ने 10 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के बाद आरोपी आरक्षक से पूछताछ की जा रही है।जानकारी के अनुसार, एक सड़क दुर्घटना के मामले में कोड़ेनार पुलिस ने एक ट्रैक्टर जब्त किया था। बाद में न्यायालय ने ट्रैक्टर मालिक बंगालु यादव के पक्ष में सुपुर्दनामा जारी कर वाहन छोड़ने का आदेश दिया था। आरोप है कि कोर्ट के आदेश के बावजूद महिला आरक्षक तिलेश्वरी साहू ट्रैक्टर सुपुर्द करने के एवज में 10 हजार रुपये की रिश्वत की मांग कर रही थीं।इसकी शिकायत ट्रैक्टर मालिक ने एंटी करप्शन ब्यूरो से की। शिकायत का सत्यापन करने के बाद ष्ट्क्क ने योजनाबद्ध तरीके से ट्रैप बिछाया। जैसे ही महिला आरक्षक ने शिकायतकर्ता से 10 हजार रुपये की रिश्वत ली, टीम ने उसे मौके पर ही रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया।फिलहाल ष्ट्क्क की टीम आरोपी महिला आरक्षक से पूछताछ कर रही है। मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत आगे की वैधानिक कार्रवाई जारी है।

सीए के ऑफिस में चोरी का मामला 30 घंटे में सुलझा,पूर्व कर्मचारी निकला मास्टरमाइंड

रायपुर। राजधानी के सिविल लाइन स्थित प्रतिष्ठित सीए तारवानी एंड एसोसिएट्स कार्यालय में हुई लाखों रुपये की चोरी का रायपुर पुलिस ने महज 30 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया। मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 7 लाख 80 हजार रुपये नकद बरामद किए गए हैं। जांच में सामने आया कि वारदात का मास्टरमाइंड कार्यालय का पूर्व कर्मचारी था, जिसे ऑफिस में रखी नकदी और सुरक्षा व्यवस्था की पूरी जानकारी थी। पुलिस के अनुसार, 21 जुलाई की सुबह कार्यालय की कैशियर अपर्णा नायक ने सिविल लाइन थाने में चोरी की शिकायत दर्ज कराई। अज्ञात चोर रात के समय कार्यालय में घुसे, कैश काउंटर का लॉक कटर से काटा और वहां रखी लाखों रुपये की नकदी लेकर फरार हो गए। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस उपायुक्त (क्राइम एवं साइबर) स्मृतिक राजनाला और पुलिस उपायुक्त (मध्य) तारकेश्वर पटेल के निर्देशन में एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट तथा सिविल लाइन थाना पुलिस की संयुक्त टीम गठित की गई। टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया, सीसीटीवी फुटेज खंगाले और वर्तमान व पूर्व कर्मचारियों से पूछताछ की। जांच के दौरान संदेह पूर्व कर्मचारी उमेश पोर्ते पर गया, जिसने कुछ समय पहले नौकरी छोड़ी थी। पुलिस ने उसे बिलासपुर से हिरासत में लेकर पूछताछ की, जहां उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। आरोपी ने बताया कि उसने कार्यालय में रखी नकदी की जानकारी के आधार पर अपने साथी लक्ष्मीनारायण ध्रुव के साथ मिलकर चोरी की साजिश रची थी। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 7 लाख 80 हजार नकद बरामद कर लिए।

हड़ताली अतिथि शिक्षकों को सरकार का अल्टीमेटम, 27 जुलाई तक लौटें ड्यूटी पर, नहीं तो सेवा होगी समाप्त

रायपुर। छत्तीसगढ़ में अतिथि शिक्षकों की जारी हड़ताल के बीच राज्य सरकार ने सख्त रुख अपनाया है। छात्रों की पढ़ाई प्रभावित होने का हवाला देते हुए लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआई) ने प्रदेश के सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश जारी कर कहा है कि हड़ताल पर बैठे सभी अतिथि शिक्षक 27 जुलाई 2026 तक अपनी-अपनी शालाओं में लौटकर अध्यापन कार्य शुरू करें। निर्धारित समय-सीमा तक कार्य पर वापस नहीं आने वाले अतिथि शिक्षकों की सेवाएं तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दी जाएंगी। डीपीआई के आदेश में कहा गया है कि अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति पूर्व में जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार शाला प्रबंधन समिति के माध्यम से की गई थी।

वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण

सुशासन की सरकार में रायगढ़ के विकास को मिली नई रफ्तार

- फोर-लेन सड़क, गोवर्धनपुर पुल, मरीन ड्राइव, ऑक्सीजोन और स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स सहित कई परियोजनाओं की प्रगति का लिया जायजा
- गुणवत्ता और समयबद्धता पर दिया विशेष जोर, अधिकारियों को निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार का समझौता नहीं करने के निर्देश

रायपुर/ संवाददाता

वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक श्री ओपी चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में सुशासन की सरकार रायगढ़ के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। शहर में बेहतर आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से अनेक महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं पर तेजी से कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में उन्होंने विभिन्न निर्माणाधीन परियोजनाओं का स्थल निरीक्षण कर कार्यों की गुणवत्ता, प्रगति और समयबद्ध क्रियान्वयन की समीक्षा की। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने फोर-लेन सड़क, गोवर्धनपुर पुल, मरीन ड्राइव, दूध डेयरी एवं एफसीआई ऑक्सीजोन, चांदमारी, मोदीनगर हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी तथा लोहरसिंह स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स सहित विभिन्न परियोजनाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने प्रत्येक स्थल पर अधिकारियों से तकनीकी प्रगति, निर्माण की गुणवत्ता, निर्धारित समय-सीमा तथा आगामी कार्ययोजना की विस्तृत जानकारी ली और सभी कार्य उच्च गुणवत्ता के साथ समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि शहर में बढ़ते यातायात दबाव को देखते हुए कोतरारोड थाना चौक से ढिमरापुर, ढिमरापुर से सीएमएचओ कार्यालय तिराहा तथा सर्किट हाउस मार्ग सहित विभिन्न हिस्सों में फोर-लेन

सड़क का निर्माण कराया जा रहा है। इसके पूरा होने से यातायात व्यवस्था अधिक सुगम, सुरक्षित और व्यवस्थित होगी तथा नागरिकों को बेहतर आवागमन की सुविधा मिलेगी। उन्होंने बताया कि गोवर्धनपुर पुल शहर की बहुप्रतीक्षित परियोजनाओं में शामिल है। इसका कार्यादेश जारी हो चुका है और शीघ्र ही निर्माण कार्य गति पकड़ेगा। पुल के निर्माण से शहर के विभिन्न क्षेत्रों के बीच संपर्क मजबूत होगा और वर्षों पुरानी आवागमन संबंधी समस्याओं का समाधान होगा। वित्त मंत्री ने कहा कि रायगढ़ की कई महत्वपूर्ण विकास परियोजनाएं पिछले तीन-चार दशकों से विभिन्न कारणों से लंबित थीं। राज्य सरकार इन्हें प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने के लिए गंभीरता से कार्य कर रही है, ताकि नागरिकों को आधुनिक शहरी सुविधाओं का लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य रायगढ़ को आधुनिक, सुव्यवस्थित और नागरिक सुविधाओं से समृद्ध शहर के रूप में विकसित करना है। इसके लिए मौसम की परवाह किए बिना विकास कार्यों को निरंतर गति दी जा रही है, जिससे जनता को जल्द से जल्द इन परियोजनाओं का लाभ मिल सके। श्री चौधरी ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर और उच्च गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएं। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में गुणवत्ता सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। निरीक्षण के दौरान महापौर श्री जीवर्धन चौहान, सभापति श्री डिग्रीलाल साहू, कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी, नगर निगम आयुक्त श्री बृजेश सिंह क्षत्रिय, स्थानीय जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी एवं निर्माण एजेंसियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

वनांचल क्षेत्रों में भी में नहीं थमेगी विकास की रफ्तार...

- मिशन मोड में काम कर रहा सुकमा प्रशासन, निर्माण कार्यों में तेजी लाने के सख्त निर्देश
- छिंदगढ़ में कलेक्टर अमित कुमार ने ली मैराथन समीक्षा बैठक

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ सरकार के मंशानुरूप सुकमा जिले के दूरस्थ वनांचल और अंदरूनी क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति देने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय है। इसी क्रम में कलेक्टर अमित कुमार ने जनपद पंचायत छिंदगढ़ में एक महत्वपूर्ण मैराथन समीक्षा बैठक ली। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मुकुन्द ठाकुर की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित इस बैठक में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की सभी फ्लैगशिप योजनाओं की प्रगति को परखा गया। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि ग्रामीण विकास में किसी भी स्तर पर ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी मैदानी अमले को पूरी पारदर्शिता व गुणवत्ता के साथ मिशन मोड में कार्य करने के कड़े निर्देश दिए।प्रशासनिक दक्षता और बेहतर क्रियान्वयन के चलते सुकमा जिला देश व प्रदेश की सर्वांगीण विकास योजनाओं में निरंतर नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। बैठक के दौरान यह गौरवपूर्ण आंकड़ा सामने आया कि प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के प्रभावी क्रियान्वयन में सुकमा जिला पूरे छत्तीसगढ़ राज्य में चौथे और बस्तर संभाग में दूसरे स्थान पर काबिज है। वित्तीय वर्ष 2016-26 के अंतर्गत जनपद पंचायत छिंदगढ़ में 16,354 के लक्ष्य के विरुद्ध 16,337 आवासों को स्वीकृति दी जा चुकी है, जो प्रशासन की शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने की प्रतिबद्धता को उजागर करता है।

यातायात नियमों से खिलवाड़ पड़ा भारी, स्टंटबाजों पर चला पुलिस का डंडा

रायपुर। सड़क सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए यातायात पुलिस बीजापुर द्वारा स्टंटबाजी, तेज एवं लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाने तथा वाहनों में अवैध ब्लैक फिल्म लगाने वालों के विरुद्ध लगातार सघन अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत आज नियमों की अनदेखी करने वाले वाहन चालकों पर मोटर वाहन अधिनियम के अंतर्गत सख्त कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान यातायात पुलिस बीजापुर द्वारा स्टंटबाजी एवं अवैध ब्लैक फिल्म लगाने पर ?4,000 तथा भैरमगढ़ पुलिस द्वारा स्टंटबाजी करने पर ?3,000 का चालान किया गया। इस प्रकार कुल ?7,000 की चालानी कार्रवाई करते हुए संबंधित वाहन से अवैध ब्लैक फिल्म भी हटवाई गई।

नीट मुद्दे पर कांग्रेस पर बरसे किरण सिंहदेव

कांग्रेस ने छात्रों के आंदोलन को राजनीतिक रंग दिया.......

रायपुर/ संवाददाता

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव ने नीट पेपर लीक मामले को लेकर कांग्रेस पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने छात्रों के हितों के बजाय राजनीतिक स्वार्थ को प्राथमिकता दी और उनके आंदोलन को दूसरी दिशा में मोड़ दिया।प्रदेश महामंत्री नवीन मार्कण्डेय, अखिलेश जैन सहित अन्य नेताओं की मौजूदगी में आयोजित प्रेसवार्ता में किरण सिंहदेव ने कहा कि संसद में पक्ष और विपक्ष के बीच छात्रों की समस्याओं पर गंभीर चर्चा होनी चाहिए थी, लेकिन कांग्रेस ने हंगामे

का रास्ता चुना। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी छात्रों के हितों के प्रति संवेदनशील हैं, इसलिए परीक्षा दोबारा कराने और पेपर लीक के दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का निर्णय लिया गया।उन्होंने कहा कि संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने भी इस मुद्दे पर चर्चा के लिए सरकार की तत्परता जताई थी, लेकिन कांग्रेस ने सदन के बाहर प्रदर्शन और हंगामे के जरिए छात्रों के आंदोलन को राजनीतिक रूप दे दिया।किरण सिंहदेव ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि संविधान का सम्मान केवल हाथ में संविधान की प्रति लेकर घूमने से नहीं होता। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने प्रतिबंधित क्षेत्र में धरना देकर संसदीय मर्यादा का उल्लंघन किया और नेता प्रतिपक्ष जैसे संवैधानिक पद की गरिमा का भी ध्यान नहीं रखा।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विश्व के लोकप्रिय नेताओं में शामिल हैं और देश का सम्मान बढ़ा रहे हैं।

रायपुर में अलग-अलग थाना क्षेत्रों में अपराध के मामले दर्ज

- ऑनलाइन ठगी से लेकर चोरी और मारपीट तक की घटनाएं

रायपुर। संवाददाता

राजधानी रायपुर में अलग-अलग थाना क्षेत्रों में चोरी, ऑनलाइन ठगी, मारपीट, धमकी और सड़क हादसे से जुड़े कई मामले सामने आए हैं। पुलिस ने संबंधित मामलों में अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मुजगहन थाना: ग्राम डुण्डा निवासी एक व्यक्ति से इंस्टाग्राम के जरिए क्रेडिट कार्ड से खाते में रकम ट्रांसफर करने का झांसा देकर 70,500 रुपये की ठगी किए जाने का मामला सामने आया है। आरोपी ने 24 घंटे में रकम वापस ट्रांसफर करने का भरोसा देकर पैसे प्राप्त किए। शिकायत पर बीएनएस की धारा 318(4) के तहत अपराध दर्ज किया गया है। पुरानी बस्ती थाना: भाठागांव स्थित अंग्रेजी शराब दुकान के पास से अज्ञात चोर ने होंडा एक्टिवा मोपेड चोरी कर ली। वाहन की कीमत करीब 10 हजार रुपये बताई गई है। पुलिस ने बीएनएस की धारा 305 के तहत मामला दर्ज किया है। इसी थाना क्षेत्र में भाठागांव स्थित देशी शराब दुकान के पास सामान खाली कराने की बात को लेकर विवाद हो गया। आरोप है कि 2-3 अज्ञात लोगों ने गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी दी और हाथ-मुक्के से मारपीट कर चोट पहुंचाई। मामले में बीएनएस की संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया गया है। तेलीबांधा थाना: रवि ग्राम की गली नंबर-4 में खड़ी हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल अज्ञात चोर चोरी कर ले गया। चोरी गई बाइक की कीमत करीब 10 हजार रुपये बताई गई है। खमतराई थाना: मेटल पार्क रोड रावाभाठा में अज्ञात वाहन की टक्कर से एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, अज्ञात वाहन चालक ने तेज और लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए पैदल जा रहे 35 वर्षीय हेमंतो भाई को टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मामले में जांच के बाद अपराध दर्ज किया गया है। टिकरापारा थाना: गोकुल नगर शराब दुकान के पास शराब पीने के लिए पैसे मांगने और पैसे नहीं देने पर विवाद हुआ। आरोप है कि मोहम्मद शाहिद और मन्नू यादव ने गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी दी

रायपुर में गौवंश के साथ कथित अनाचार का मामला, आरोपी के खिलाफ केस दर्ज

रायपुर। राजधानी रायपुर के उरला थाना क्षेत्र में गौवंश के साथ कथित अनाचार का मामला सामने आया है। घटना की शिकायत विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने उरला थाने में दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, सत्य नगर बीरगांव निवासी एवं विश्व हिंदू परिषद बंजारी प्रखंड के सहमंत्री वीरेंद्र विश्वकर्मा ने लिखित शिकायत में बताया कि 21 जुलाई की सुबह उन्हें सूचना मिली कि राजेंद्र नगर उरला निवासी सूरज कुमार ने गौवंश के साथ कथित रूप से आपत्तिजनक कृत्य किया है। शिकायत में इसे धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाला बताते हुए आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की गई है। शिकायत के अनुसार, बजरंग दल के कार्यकर्ता राहुल राजभर ने घटना से जुड़ा एक वीडियो और अन्य जानकारी साझा की थी। दावा किया गया है कि यह घटना 20 और 21 जुलाई की दरम्यानी रात करीब 12:30 से 1 बजे के बीच हुई। वीडियो की जानकारी मिलने के बाद विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे और आरोपी को पकड़कर उरला थाने ले गए। उरला

हर घर घर तक पहुंचा स्वच्छ जल, बदली ग्राम कोदवा की तस्वीर

- जल जीवन मिशन से दूर हुआ पेयजल संकट, ग्रामीणों के जीवन में आई नई खुशहाली

रायपुर/ संवाददाता

खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के विकासखंड छुईखदान अंतर्गत ग्राम पंचायत बुढ़ासागर के आश्रित ग्राम कोदवा में जल जीवन मिशन ने ग्रामीणों के जीवन में उल्लेखनीय बदलाव लाया है। लगभग 315 की आबादी और 51 परिवारों वाले इस गांव में पहले पेयजल की उपलब्धता तो थी, लेकिन पर्याप्त दबाव और नियमित आपूर्ति की समस्या के कारण कई घरों, स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्रों तक पानी नहीं पहुंच पाता था। गर्मी के दिनों में स्थिति और अधिक चुनौतीपूर्ण हो जाती थी। ग्राम कोदवा पहाड़ी क्षेत्र के समीप स्थित है, जहां कुछ स्थानों पर पानी में आयरन की मात्रा भी पाई जाती थी। ग्रामीण हैंडपंप, बोरवेल, तालाब और अन्य जल स्रोतों पर निर्भर थे। महिलाओं और बुजुर्गों को पानी की व्यवस्था के लिए अतिरिक्त श्रम करना पड़ता था, जिससे उनकी दैनिक दिनचर्या प्रभावित होती थी। ग्रामीणों की इस समस्या को देखते हुए जल जीवन मिशन के अंतर्गत गांव में 73 घरेलू नल कनेक्शन प्रदान किए गए। योजना के क्रियान्वयन के साथ ही प्रत्येक घर तक नल के माध्यम से स्वच्छ पेयजल पहुंचना शुरू हुआ। आज गांव के सभी परिवारों को नियमित रूप से नल से जल उपलब्ध हो रहा है और पेयजल संकट पूरी तरह समाप्त हो गया है। योजना के सफल संचालन के लिए ग्राम सभा में ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति तथा जल गुणवत्ता समिति का गठन किया गया। समिति के सदस्यों को जल संरक्षण, जल प्रबंधन और जल गुणवत्ता परीक्षण की जानकारी दी गई। जलवाहिनी दीदियों को फील्ड टेस्टिंग किट (थ्ज्ञ) के माध्यम से जल परीक्षण तथा उसकी ऑनलाइन रिपोर्टिंग का प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया। इसके साथ ही जल स्रोतों के आसपास स्वच्छता बनाए रखने के लिए ग्रामीणों को जागरूक किया गया। स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता से गांव में जल जनित बीमारियों में कमी आई है और लोगों के स्वास्थ्य में सुधार हुआ है। महिलाओं का समय और श्रम बच रहा है, जिससे वे परिवार और अन्य आजीविका संबंधी गतिविधियों में अधिक सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। बच्चों को स्कूल और आंगनबाड़ी में भी पर्याप्त पेयजल उपलब्ध हो रहा है।

ऊर्जा आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ता कोरबा

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना अपनाकर मंत्री लखनलाल देवांगन बने सौर ऊर्जा के प्रेरक

- स्वच्छ एवं हरित भविष्य के लिए नागरिकों को किया प्रेरित

रायपुर। संवाददाता

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ में प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। ऊर्जा आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करने वाली इस योजना के माध्यम से कोरबा जिले के अनेक परिवार स्वच्छ ऊर्जा को अपनाते हुए बिजली उपभोक्ता से ऊर्जा उत्पादक बनने की दिशा में अग्रसर हैं। इससे उन्हें

बिजली बिल में उल्लेखनीय बचत होने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान देने का अवसर मिल रहा है। इसी क्रम में प्रदेश के उद्योग, वाणिज्य, श्रम एवं आबकारी मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने भी अपने कोहड़िया स्थित निवास पर योजना के अंतर्गत 10 किलोवाट क्षमता का सोलर रूफटॉप सिस्टम स्थापित कराया है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के ऊर्जा आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करने तथा पारंपरिक बिजली पर निर्भरता कम करने के उद्देश्य से उन्होंने अपने निवास पर सोलर संयंत्र स्थापित कराया है। मंत्री श्री देवांगन ने बताया कि सोलर पैनल स्थापित हुए लगभग एक माह हो चुका है और इसके सकारात्मक परिणाम अब स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगे हैं। इससे न केवल आर्थिक बचत हो रही है, बल्कि स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा के उपयोग से पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान मिल रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली सब्सिडी के कारण सोलर संयंत्र स्थापित करना आम नागरिकों के लिए अधिक सुविधाजनक और लाभकारी बन गया है। उन्होंने बताया कि घरेलू उपयोग के बाद बची हुई अतिरिक्त बिजली विद्युत वितरण कंपनी के ग्रिड में भेजी जाएगी, जिससे भविष्य में अतिरिक्त आय प्राप्त होने की भी संभावना रहेगी।

संपादकीय

सोनम वांगचुक का अनशन- संवाद की जगह बल प्रयोग क्यों?

दिल्ली में जंतर-मंतर पर अनशन कर रहे सोनम वांगचुक को पुलिस द्वारा जबरन अस्पताल में भर्ती करा देने की घटना ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं।भारत समेत दुनिया भर में अनशन के जरिए व्यवस्था में बदलाव लाने की कोशिशें इतिहास के पन्नों में दर्ज हैं। आजादी के बाद देश के संविधान में अभिव्यक्ति के अधिकार को शामिल किया गया, जिसमें शांतिपूर्ण तरीके से विरोध प्रदर्शन की अनुमति का भी प्रावधान है। संविधान देश के हर नागरिक को यह इजाजत देता है कि वह शासन-प्रशासन, संस्था या किसी समूह की नीतियों और निर्णयों को लेकर कानून के दायरे में रहकर अपना असंतोष प्रकट कर सकता है। ऐसे में सवाल है कि क्या किसी व्यक्ति को अनशन करने से जबरन रोका जा सकता है?मामला तब और भी संवेदनशील, गंभीर और महत्त्वपूर्ण हो जाता है, जब अनशन देश की व्यवस्था में सुधार के मुद्दे पर केंद्रित हो। दिल्ली में जंतर-मंतर पर पिछले बीस दिन से अनशन कर रहे जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को पुलिस द्वारा शनिवार को जबरन अस्पताल में भर्ती करा देने की घटना ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं।दरअसल, नीट में गड़बड़ियों को लेकर काकरोच जनता पार्टी (काजपा) की ओर से जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। प्रदर्शनकारी केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे और शिक्षा प्रणाली में व्यापक सुधार की मांग कर रहे हैं। सोनम वांगचुक ने इस मांग के समर्थन में अनशन शुरू किया था। उम्मीद की जा रही थी कि सरकार प्रदर्शनकारियों से बातचीत कर समाधान का कोई रास्ता निकालेगी, लेकिन इसके विपरीत पुलिस ने वांगचुक को जबरन अस्पताल में भर्ती करा दिया। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या सरकार को असल में वांगचुक के स्वास्थ्य की फिक्र है या फिर यह सब आंदोलन की आवाज को दबाने के प्रयास का हिस्सा है?देश में ऐसी कई घटनाओं के उदाहरण हैं, जब सरकार या उसके प्रतिनिधियों ने आंदोलनकारियों से बातचीत कर उन्हें भरोसे में लेकर अनशन समाप्त कराया है। फिर क्या वजह है कि इस मामले में सरकार को प्रदर्शनकारियों से संवाद की अब तक कोई जरूरत ही महसूस नहीं हुई और अनशन को बलपूर्वक समाप्त कराने की कोशिश को ही प्राथमिकता दी गई।यह सच है कि सोनम वांगचुक के लगातार अनशन से उनकी सेहत बिगड़ रही थी, लेकिन जिस उद्देश्य के लिए उन्होंने यह कदम उठाया, क्या सरकार के लिए उसका कोई महत्त्व नहीं है? नीट की परीक्षाओं में पर्चालीक और अन्य तरह की गड़बड़ियां अब किसी से छिपी नहीं हैं और सरकार ने भी इसे स्वीकार किया है। ऐसे में अगर युवा वर्ग शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग कर रहा है, तो यह सरकार के लिए अप्रासंगिक या महत्त्वहीन विषय कैसे हो सकता है?अनशन के मसले पर दिल्ली उच्च न्यायालय ने अपने निर्देश में कहा था कि जीवन अनमोल है।

अंदर से दरक रहा पाकिस्तान! बलूचिस्तान, पीओके और पख्तूनख्वा में मचा असंतोष, भारत के लिए खुले दरवाजे

(ब्रह्मदीप अलूने)

बलूचिस्तान, पीओके और खैबर पख्तूनख्वा में बढ़ते असंतोष के बीच पाकिस्तान राजनीतिक और आर्थिक संकट से जूझ रहा है। जानें कैसे यह स्थिति भारत के लिए कूटनीतिक और रणनीतिक अवसर बन सकती है। टूटी हुई आकृति के रूप में दर्शाया गया पाकिस्तान का मानचित्र, जिस पर बड़े अक्षरों में लिखा है–ज्क्या टूट जाएगा पाकिस्तान? यह देश के भीतर बढ़ती राजनीतिक अस्थिरता और अलगाववादी चुनौतियों का सांकेतिक चित्रण है।

पाकिस्तान की राजनीति में सैन्य वर्चस्व ने वहां की लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर किया है, आर्थिक सुधारों को बाधित किया है और कट्टरपंथी संगठनों के प्रति दोहरी नीति को जन्म दिया है। इसके कारण पाकिस्तान आज राजनीतिक अस्थिरता, आर्थिक संकट और आंतरिक सुरक्षा चुनौतियों का सामना कर रहा है। यह स्थिति भारत के लिए अनेक रणनीतिक अवसर प्रस्तुत करती है।

पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में वहां की हुकूमत के खिलाफ प्रदर्शन की आवाज के बीच भारत का समर्थन देखा जा रहा है। वहीं, बलूचिस्तान के लोग पाकिस्तान को भारत से सीखने की नसीहत दे रहे हैं और खैबर पख्तूनख्वा में पश्तूनी नागरिक पाकिस्तान से ज्यादा भारत के करीब नजर आते हैं।

विरोध के मुखर होते स्वर: पाकिस्तान औपचारिक रूप से पंजाब, सिंध, खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान प्रांतों को मिलाकर संघीय गणराज्य है। गिलगित-बाल्टिस्तान तथा पीओके अलग प्रशासनिक इकाइयां हैं। पिछले एक दशक में खैबर पख्तूनख्वा, बलूचिस्तान, गिलगित-बाल्टिस्तान तथा पीओके में राजनीतिक, आर्थिक और सुरक्षा संबंधी मसलों को लेकर असंतोष लगातार बढ़ा है। पीओके तथा गिलगित-बाल्टिस्तान में उभरते राजनीतिक, आर्थिक और प्रशासनिक असंतोष भारत के लिए कूटनीतिक, रणनीतिक और वैचारिक स्तर पर अपनी स्थिति सुदृढ़ करने का अवसर प्रदान करते हैं। भारत लंबे समय से इन क्षेत्रों को अपने अभिन्न अंग के रूप में मानता है। ऐसे में भारत को यहां की मौजूदा परिस्थितियों को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर तथ्यों और मानवाधिकार संबंधी चिंताओं के आधार पर प्रभावी ढंग से उठाने का प्रयास करना चाहिए।

भारत की लोकतांत्रिक साख को पाकिस्तान पर स्वाभाविक बढ़त हासिल है और यही भारत की असल ताकत भी है। लोकतांत्रिक संस्थाएं, स्वतंत्र न्यायपालिका, नियमित चुनाव, स्थानीय स्वशासन और संवैधानिक अधिकार किसी भी क्षेत्र की स्थिरता और विकास के लिए अनिवार्य होते हैं। भारत का लोकतांत्रिक शासन मॉडल और विकास-आधारित दृष्टिकोण दुनिया के सामने है। पाकिस्तान में नागरिक स्वतंत्रता, राजनीतिक अधिकारों और प्रशासनिक जवाबदेही जैसे मुद्दों को लेकर लोग सड़कों पर प्रदर्शन कर रहे हैं।

भारत अंतरराष्ट्रीय कानून और मानवाधिकारों के सार्वभौमिक सिद्धांतों के संदर्भ में इसे पुरजोर तरीके से उठाने के साथ विकास, आधारभूत संरचना, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन और लोकतांत्रिक भागीदारी के क्षेत्र में जम्मू-कश्मीर में हुए परिवर्तनों को वैश्विक समुदाय के समक्ष अधिक प्रभावी ढंग से प्रस्तुत कर दोनों ओर की प्रशासनिक व्यवस्थाओं की तुलना का एक वैकल्पिक विमर्श दुनिया के सामने ला सकता है।

भारत के लिए अवसर: भारत के लिए इस अवसर को कश्मीर को लेकर भ्रम फैलाने की पाकिस्तान की नीति की हकीकत को दुनिया के सामने लाने के एक बड़े मौके के रूप में देखा जाना चाहिए। गिलगित-बाल्टिस्तान का सामरिक महत्त्व भी है। यह क्षेत्र चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे का प्रमुख प्रवेश मार्ग है। यह परियोजना उस क्षेत्र से होकर गुजरती है, जो भारत की जमीन है और चीन का वहां अवैध कब्जा है। भारत अपने प्रमुख साझेदार देशों के साथ आतंकवाद, सीमा-पार आतंकवाद, क्षेत्रीय स्थिरता और नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था जैसे मुद्दों पर सहयोग बढ़ाकर अपनी रणनीतिक स्थिति को और सुदृढ़ कर सकता है।

भारत की नीति का आधार संयम, कूटनीतिक सक्रियता, राष्ट्रीय सुरक्षा की तैयारी और क्षेत्रीय स्थिरता होना चाहिए। पीओके में विभिन्न राजनीतिक विचारधाराएं और आकांक्षाएं मौजूद हैं। इसलिए भारत के लिए सबसे प्रभावी रणनीति यह होगी कि वह लोकतांत्रिक मूल्यों, विकास, सुशासन और संवैधानिक व्यवस्था की अपनी उपलब्धियों को सशक्त रूप से प्रस्तुत करे तथा कूटनीतिक स्तर पर अपने दावों और हितों को तथ्य एवं अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुरूप आगे बढ़ाए।

बलूचिस्तान में जारी असंतोष, मानवाधिकार संबंधी चिंताएं तथा राजनीतिक अस्थिरता भारत के लिए अपनी कूटनीतिक सक्रियता और वैश्विक विश्वसनीयता को मजबूत करने का अवसर प्रदान करती है। भारत लंबे समय से आतंकवाद के खात्मे, क्षेत्रीय स्थिरता और लोकतांत्रिक मूल्यों की वकालत करता रहा है। किसी भी बहु-जातीय और बहुभाषी समाज में दीर्घकालिक स्थिरता केवल सैन्य उपायों से नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक भागीदारी, संवैधानिक अधिकारों, न्यायपूर्ण प्रशासन और समावेशी विकास से सुनिश्चित होती है।

भारत अपने संपर्क और विकास संबंधी परियोजनाओं में स्थानीय भागीदारी, पारदर्शी शासन और साझेदारी-आधारित मॉडल को प्रमुखता देकर स्वयं को एक विश्वसनीय विकास साझेदार के रूप में प्रस्तुत कर सकता है। पाकिस्तान में दीर्घकालिक अस्थिरता का प्रभाव सीमा-पार सुरक्षा, आतंकवाद, शरणार्थी संकट और क्षेत्रीय आर्थिक सहयोग पर भी पड़ सकता है। इसलिए भारत के हित में यही होगा कि वह मजबूत सीमा सुरक्षा, प्रभावी कूटनीति, वैश्विक साझेदारियों और लोकतांत्रिक मूल्यों के समर्थन के माध्यम से अपनी स्थिति को सुदृढ़ करे।

भारत के लिए कुछ महत्वपूर्ण सावधानियां: भारत के लिए कुछ महत्त्वपूर्ण सावधानियां भी आवश्यक हैं। खैबर पख्तूनख्वा में अस्थिरता से आतंकवादी संगठनों की गतिविधियां बढ़ सकती हैं, जिनका प्रभाव पूरे दक्षिण एशिया की सुरक्षा पर पड़ सकता है। इसलिए भारत को सीमा सुरक्षा, आतंकवाद-रोधी सहयोग, खुफिया समन्वय तथा क्षेत्रीय कूटनीति को निरंतर मजबूत बनाए रखना होगा।

पाकिस्तान में सैन्य तानाशाही से लोगों का उत्पीड़न हो रहा है। अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संस्थाओं की रिपोर्ट और संयुक्त राष्ट्र में बलूचिस्तान में गुमशुदगी, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता एवं नागरिक अधिकारों से जुड़े मुद्दों पर चिंता सामने आई है। भारत इन विषयों पर सिद्धांत आधारित और तथ्यपरक दृष्टिकोण अपनाते हुए अपनी कूटनीतिक स्थिति स्पष्ट कर सकता है। इससे भारत की यह छवि मजबूत होगी कि वह मानवाधिकारों और लोकतांत्रिक मूल्यों को महत्त्व देता है।

रणनीतिक तकाजा: बलूचिस्तान की अस्थिरता यह दर्शाती है कि केवल सैन्य दृष्टिकोण से जटिल राजनीतिक समस्याओं का स्थायी समाधान संभव नहीं है। भारत इस अनुभव के आधार पर आतंकवाद के खिलाफ व्यापक अंतरराष्ट्रीय सहयोग, कट्टरपंथ के विरुद्ध साझा रणनीति और क्षेत्रीय स्थिरता की आवश्यकता पर बल दे सकता है। चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे की सुरक्षा संबंधी चुनौतियां यह संकेत देती हैं कि बड़े अवसंरचनात्मक निवेश तभी सफल हो सकते हैं, जब स्थानीय समुदायों की भागीदारी और राजनीतिक स्वीकार्यता सुनिश्चित हो।

खैबर पख्तूनख्वा की जटिल परिस्थितियां, अफगानिस्तान के साथ इसके ऐतिहासिक और सामाजिक संबंध तथा पाकिस्तान की आंतरिक सुरक्षा चुनौतियां भारत के लिए प्रत्यक्ष हस्तक्षेप के साथ कूटनीतिक, रणनीतिक और क्षेत्रीय सहयोग के नए अवसर प्रस्तुत कर रही हैं। भारत की नीति परंपरागत रूप से क्षेत्रीय स्थिरता, आतंकवाद का विरोध और विकास में सहयोग पर केंद्रित रही है। इसलिए इन परिस्थितियों में वह अपनी रणनीति को और प्रभावी बना सकता है।

दीर्घकालिक दृष्टि से भारत के लिए सबसे बड़ी रणनीतिक बढ़त किसी पड़ोसी देश की आंतरिक कमजोरियों पर निर्भर नहीं होगी, बल्कि अपनी राष्ट्रीय शक्ति के सभी आयामों को निरंतर सुदृढ़ करने में निहित है। मजबूत अर्थव्यवस्था, तेज विकास, तकनीकी नवाचार, रक्षा आधुनिकीकरण, कुशल कूटनीति और विश्वसनीय लोकतांत्रिक संस्थाएं भारत की वास्तविक रणनीतिक पूंजी हैं।

भारत जब अपनी आर्थिक क्षमता, सैन्य प्रतिरोध शक्ति, कूटनीतिक प्रभाव और लोकतांत्रिक विश्वसनीयता को समान गति से आगे बढ़ाएगा, तब वह केवल दक्षिण एशिया ही नहीं, बल्कि वैश्विक राजनीति में भी अधिक प्रभावशाली और निर्णायक भूमिका निभाने की स्थिति में होगा।

इसलिए जरूरी है नाम बदलना

(डॉ. अवनीश मिश्रा)

कोई राष्ट्र यदि अपनी पहचान भुला देता है तो वह अपना गौरवबोध खोने के साथ ही भविष्य की दिशा भी खो देता है। कहते हैं कि जड़ों से कटा वृक्ष कभी छाया नहीं दे सकता। यही सत्य सभ्यताओं पर भी लागू होता है जिसकी पहचान नामों से होती है। नदी का नाम, नगर का नाम, गली-मोहल्ले का नाम, ये मात्र पहचान के चिह्न नहीं हैं, आस्था और सांस्कृतिक निरंतरता के जीवंत साक्षी भी हैं। भारत पर हमले के बाद आक्रांताओं ने इसीलिए यहां की पहचान को सबसे पहले बदलने का प्रयास किया। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश में कई स्थानों के नाम बदल दिए गए। उत्तर प्रदेश की पावन धरती ने लंबे समय तक इस सांस्कृतिक हिंसा को चुपचाप सहा लेकिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सत्ता में आने के बाद से यह मौन टूटने लगा। उत्तर प्रदेश में गुलामी के प्रतीकों को हमेशा के लिए खत्म करने की दिशा उन्होंने कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए और कई स्थानों का नाम बदलकर उन्हें उनका गौरव वापस दिलाया। हाल ही में शाहजहांपुर जिले की जलालाबाद तहसील का नाम परशुराम पुरी, अयोध्या जिले में नगर पंचायत खिलौनी-सुचितगंज को मां ज्वाला जी, कुशीनगर के फाजिलनगर का पावागढ़ और भदरसा को भरत नगर करना सीओम योगी की इसी प्राथमिकता का हिस्सा हैं।

इतिहास को पलटने में कई काले पन्ने भी दिखते हैं। इन पन्नों में मुगलकाल में उत्तर प्रदेश के शहरों, गांवों और कस्बों का नाम बदला जाना भी है। गाजीपुर, आजमगढ़, अलीगढ़, मुरादाबाद, इलाहाबाद, फतेहपुर, फिरोजाबाद, शाहजहांपुर और मुजफ्फरनगर जैसे अनेक बड़े जिलों के नाम मुगल सल्तनतों, उनके सेनापतियों और परिजनों के नाम पर रखे गए। आगरा को अकबराबाद कहा गया, प्रयागराज को इलाहाबाद कर दिया गया। यह एक सुनियोजित सांस्कृतिक विस्थापन था, जिसने भारत की मूल पहचान पर आक्रांताओं की मुहर लगा दी। योगी सरकार इन नामों को बदलने का साहस दिखा रही है, तो यह केवल इतिहास का सुधार नहीं, बल्कि उस अन्याय का भी प्रतिकार है जो पीढ़ियों ने सहा।

इलाहाबाद का प्रयागराज बनना इस यात्रा का सबसे प्रतीकात्मक अध्याय है। जिस भूमि पर गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती का पवित्र संगम होता है, जहां हर बारह वर्ष में करोड़ों श्रद्धालु कुंभ स्नान के लिए उमड़ते हैं, उस नगर को एक ऐसा नाम ढोना पड़ा जिसका उसकी आध्यात्मिक चेतना से कोई नाता नहीं था। योगी सरकार ने प्रयागराज को उसका पुराना नाम वापस दिया है तो मानों इस पौराणिक स्थल की आत्मा वापस आई है। इसी तरह फैजाबाद जिले का नाम बदलकर अयोध्या करना भगवान श्रीराम की जन्मभूमि को उसका वास्तविक गौरव लौटाने जैसा कदम है। मुगलसराय रेलवे स्टेशन का नाम बदलकर पंडित दीनदयाल उपाध्याय के नाम पर करना भी इसी श्रृंखला की एक कड़ी है, जिसने एक महान विचारक को सम्मान देकर उस स्थान को नई पहचान दी।

हाल ही में शाहजहांपुर जिले की जलालाबाद तहसील का नाम बदलकर 'परशुराम पुरी' करने का निर्णय राज्य मंत्रिमंडल ने लिया तो इसके भी विशिष्ट कारण हैं। यह क्षेत्र भगवान परशुराम की जन्मस्थली के रूप में पौराणिक ग्रंथों में वर्णित है और स्थानीय जनता वर्षों से इस पुनर्स्थापना की मांग कर रही थी। इसी तरह अयोध्या में खिलौनी-सुचितगंज को 'मां ज्वाला' का नाम दिया जाना और भदरसा 'भरत नगर' की संज्ञा दिया जाना भी जन-आकांक्षाओं और लोक-आस्था का सम्मान है। गोरखपुर, जो स्वयं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की कर्मभूमि है, वहां भी उन्होंने सांसद रहते हुए इसी दिशा में उल्लेखनीय कार्य किए। उर्दू बाजार का नाम 'हिंदी बाजार', हुमायूंपुर का नाम 'हनुमान नगर', मियां बाजार का नाम 'माया बाजार' और अलीनगर का नाम 'आर्य नगर' कर दिया गया। ये सभी परिवर्तन स्थानीय पहचान को उसकी सांस्कृतिक जड़ों से पुनः जोड़ने का प्रयास हैं।

वस्तुतः सनातन आस्था से जुड़े लोग स्वयं भी गुलामी के प्रतीक इन नामों से मुक्ति चाहते हैं इसलिए उनकी ओर से इसके लिए आवाजें उठती रही हैं। संभल जिले के लिए कल्कि नगर या पृथ्वीराज नगर जैसे नाम सुझाए गए हैं, जो भगवान विष्णु के भावी अवतार और पृथ्वीराज चौहान जैसे शौर्यवान शासक की स्मृति को सम्मान देने का प्रयास हैं। देवबंद को देववृंदपुर करने की मांग भी स्थानीय जनप्रतिनिधि उठा चुके हैं। जब कोई समाज अपने नगरों को उनके पौराणिक, ऐतिहासिक या आस्था से जुड़े नामों से पुकारना चाहता है, तो लोकतांत्रिक सरकार का कर्तव्य है कि वह उस भावना को स्वर दे और योगी सरकार ने यही किया है।

आलोचक यह सवाल उठाते हैं कि नाम बदलने से आम आदमी के जीवन में क्या बदलाव आएगा ? यह तर्क कुतर्क है क्योंकि इसमें हमारी सांस्कृतिक स्मृति की अनदेखी होती है।

लोगों के घटते भरोसे के दौर में शायद देश को नई राजनीति और नए नेतृत्व की तलाश है

(तवलीन सिंह)

बहुत दिनों बाद दिल्ली आना हुआ पिछले सप्ताह। सीधे जंतर-मंतर गई। दोपहर का समय था और धूप इतनी तेज कि बिना सिर ढके खड़ा होना मुश्किल था। गाड़ी को थोड़ी दूर खड़ी करके मैं पैदल चली। दोनों तरफ गाड़ियां लगी हुई थीं और प्रदर्शनकारियों को देखने से पहले दिखे पुलिसवाले इतने सारे कि जैसे जमा होते हैं तब, जब गड़बड़ी होने की आशंका रहती है। मेटल डिटेक्टर से जब गुजरी, तो देखा कि सड़क के दोनों तरफ प्लास्टिक की बोतलें और अलग किस्म का कूड़ा पड़ा हुआ था। थोड़ा आगे गई, तो देखा कि वामपंथी दलों के विद्यार्थी संगठनों के कार्यकर्ता बैठे हुए थे।

काकरोच जनता पार्टी पैदा हुई है अपनी आवाज बुलंद करने के लिए, ताकि कभी न कभी प्रधानमंत्री के दफ्तर तक संदेश पहुंचे कि शिक्षा क्षेत्र में जो खराबी आई है, उसकी जवाबदेही शिक्षा मंत्री की है। प्रदर्शन कर रही भीड़ की पृष्ठभूमि पर बड़े अक्षरों में लिखा घटते भरोसे के बीच, जो व्यवस्था, जवाबदेही और जनविश्वास पर उठते सवालों का सांकेतिक चित्रण करता है।

बहुत दिनों बाद दिल्ली आना हुआ पिछले सप्ताह। सीधे जंतर-मंतर गई। दोपहर का समय था और धूप इतनी तेज कि बिना सिर ढके खड़ा होना मुश्किल था। गाड़ी को थोड़ी दूर खड़ी करके मैं पैदल चली। दोनों तरफ गाड़ियां लगी हुई थीं और प्रदर्शनकारियों को देखने से पहले दिखे पुलिसवाले इतने सारे कि जैसे जमा होते हैं तब, जब गड़बड़ी होने की आशंका रहती है। मेटल डिटेक्टर से जब गुजरी, तो देखा कि सड़क के दोनों तरफ प्लास्टिक की बोतलें और अलग किस्म का कूड़ा पड़ा हुआ था। थोड़ा आगे गई, तो देखा कि वामपंथी दलों के विद्यार्थी संगठनों के कार्यकर्ता बैठे हुए थे।

थोड़ा और आगे गई, तो देखा कि मंच के सामने एक आदमी भाषण दे रहा था उस किस्म का जैसे मामूली कार्यकर्ता देते हैं नेताओं के मंच पर आने से पहले। मंच पर काकरोच जनता पार्टी के कुछ नेता बैठे हुए थे, लेकिन अभिजीत दिपके नहीं दिखे। यह सोच ही रही थी कि मेरे साथ खड़े हुए एक आदमी ने कहा कि 'वे आ रहे हैं'। 'वे' दिपके थे जो अति-विनम्रता से सब लोगों के हाथ पकड़ कर आगे बढ़ रहे थे, जैसे उनको धन्यवाद कहना चाह रहे हों। मुझ तक पहुंचे, तो मैंने नमस्ते करना चाहा, लेकिन उन्होंने हाथ मिलाया। उनके चेहरे पर हल्की-सी मुस्कुराहट थी और थोड़ा आश्चर्य, तो मैंने उनको कहा कि मैं एक पत्रकार हूं।

दिपके आगे बढ़े, तो मेरे बगल में खड़े एक आदमी ने कहा, 'मुझे मालूम था कि आप पत्रकार हैं।' यह आदमी कोई चालीस साल का था। मैंने उससे पूछा कि वह कहां से आया है और किस वास्ते, तो उसका जवाब यह था, 'मैं नोएडा में रहता हूं और जबसे यह प्रदर्शन शुरू हुआ है, मैं यहां रोज आता हूं समर्थन जताने। ये लोग अच्छा कर रहे हैं देश के लिए।'

इतने में मुझे दो-तीन नौजवान दिखे, जिन्होंने बताया कि वे आजमगढ़ से आए हैं समर्थन जताने इसलिए कि उनके कुछ दोस्त हैं जो पर्चा लीक होने के शिकार रहे हैं। आसपास कोई इतनी भीड़ नहीं थी, लेकिन जो लोग मिले, वे सब अपनी मर्जी से आए थे किसी राजनीतिक दल के कहने पर नहीं आए थे।

यहां स्पष्ट करना जरूरी है कि मैं सोनम वांगचुक की इज्जत करती हूं और उनको राष्ट्रविरोधी बिल्कुल नहीं मानती हूं, लेकिन उनके आमरण अनशन से सहमत नहीं हूं। इस किस्म के सत्याग्रह मुझे पसंद नहीं हैं। मैं मानती हूं कि ऐसे आमरण अनशन से सरकार पर दबाव डालना गलत है और बेमतलब भी। मगर जिस वजह से काकरोच जनता पार्टी बनी है, उसका मैं दिल से समर्थन करती हूं।

जब जनता के चुने हुए जनसेवक बहरे हो जाते हैं, तो उन तक अपनी आवाज को पहुंचाना मुश्किल होता है। काकरोच जनता पार्टी पैदा हुई है अपनी आवाज बुलंद करने के लिए, ताकि कभी न कभी प्रधानमंत्री के दफ्तर तक संदेश पहुंचे कि शिक्षा क्षेत्र में जो खराबी आई है, उसकी जवाबदेही शिक्षा मंत्री की है। कुछ और नहीं कर सकते हैं, तो कम से कम इस्तीफा तो दे सकते हैं।

संयोग से पिछले सप्ताह यही बात एक मोदी भक्त से कहने का मुझे अवसर मिला। यह व्यक्ति न पत्रकार है न राजनीतिक, लेकिन दिल्ली के ऊंचे गलियारों में घूमता है, इसलिए जानता है अच्छी तरह कि उनमें चर्चा क्या हो रही है। मैंने जब धर्मेंद्र प्रधान की जवाबदेही का उससे जिक्र किया, तो उसने स्पष्ट शब्दों में कहा कि प्रधानमंत्री का पक्का इरादा था अपने चहेते मंत्री को बर्खास्त करने का, लेकिन जब काकरोच जनता पार्टी ने अपना प्रदर्शन शुरू किया, तो इस काम को उन्हें रोकना पड़ा इसलिए कि भारत के प्रधानमंत्री को कभी दबाव पड़ने की वजह से फैसले नहीं लेने चाहिए।

इस व्यक्ति ने मुझे कहा कि इस नई पार्टी के तमाम नेता आम आदमी पार्टी से निकल कर आए हैं और अरविंद केजरीवाल का आशीर्वाद लेकर अपना काम कर रहे हैं। आम आदमी पार्टी के कई नेता दिखे भी हैं मंच पर, इसलिए इसमें कोई शक नहीं है कि 'आप' से प्रेरणा लेकर प्रदर्शनकारी आगे बढ़ रहे हैं। यह बात उनके खिलाफ रही है अभी से। केजरीवाल की छवि इतनी बिगड़ी हुई है कि जब भी किसी को लगता है कि उनके कहने पर कुछ हो रहा है, तो लोग फौरन अपना समर्थन वापस ले लेते हैं।

केजरीवाल को पहली बार मैंने देखा था अस्सी घाट पर। बटवृक्ष के नीचे बैठे हुए 2014 के लोकसभा चुनाव के दौरान। ये वे दिन थे, जब उन्होंने दिल्ली के मुख्यमंत्री के पद से इस्तीफा देकर नरेंद्र मोदी को चुनौती देने का गलत निर्णय लिया था। मुझे उस वक्त से लगा था कि आम आदमी के चोले के नीचे यह एक ऐसा व्यक्ति है जो अपने आपको इतना खास समझता है कि मुख्यमंत्री बनते ही प्रधानमंत्री बन जाने के सपने देखने लग गया है।

काकरोच जनता पार्टी अगर बनना चाहती है देश के नौजवानों की आवाज, तो उसको विनम्रता से मेरा सुझाव यह है कि केजरीवाल से दूर रहें और वामपंथी राजनेताओं तथा राजनीतिक दलों से भी। ये ऐसे लोग हैं जिनकी आवाज फीकी पड़ चुकी है। आम लोग जान गए हैं कि ये लोग बातें तो बड़ी-बड़ी करते हैं, लेकिन जमीन पर उनका काम इतना बेकार साबित हुआ है कि आम लोगों का इनमें अब कोई विश्वास नहीं रहा। नौजवानों को नए नेता ढूंढ़ने होंगे अगर वास्तव में वह देश में बदलाव लाना चाहते हैं। समस्या सिर्फ शिक्षा क्षेत्र में नहीं है, हर क्षेत्र में भ्रष्टाचार इतना फैला हुआ है आज कि मोदी सरकार में भी भरोसा कम होने लग गया है। असली परिवर्तन के लिए नए लोग चाहिए। नई सोच चाहिए।

नशामुक्त युवा, सशक्त भारत का संकल्प : माई भारत नशा मुक्ति अभियान में विधायक आशाराम नेताम ने युवाओं को दिया जागरूकता का संदेश

युवाओं से नशे से दूर रहकर लक्ष्य पर केंद्रित रहने और राष्ट्र निर्माण में भागीदारी निभाने का किया आह्वान

कांकेर। युवा शक्ति को नशे की गिरफ्त से बचाकर स्वस्थ, जागरूक और जिम्मेदार नागरिक बनाने के उद्देश्य से संचालित ÷माई भारत नशा मुक्ति अभियान÷ के अंतर्गत आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में कांकेर विधानसभा के विधायक आशाराम नेताम शामिल हुए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उपस्थित युवाओं एवं विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्होंने नशे के दुष्प्रभावों से बचने, अपने जीवन के लक्ष्य पर केंद्रित रहने तथा राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का प्रेरणादायी संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान नशामुक्त समाज निर्माण का सामूहिक संकल्प भी दिलाया गया। वक्ताओं ने कहा कि युवाओं की ऊर्जा यदि सही दिशा में लगाई जाए तो देश के विकास को नई गति मिल सकती है। वहीं यदि युवा नशे जैसी बुराइयों की ओर आकर्षित होते हैं तो इसका दुष्प्रभाव केवल उनके जीवन तक सीमित नहीं रहता, बल्कि परिवार, समाज और पूरे राष्ट्र पर भी पड़ता है।

युवाओं का उज्ज्वल भविष्य देश की सबसे बड़ी पूंजी-कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक आशाराम नेताम ने कहा कि युवा देश की सबसे बड़ी शक्ति और भविष्य के निर्माता हैं। उनके स्वस्थ, शिक्षित और संस्कारित होने पर ही राष्ट्र की प्रगति निर्भर करती है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में नशे की बढ़ती प्रवृत्ति चिंता का विषय है, इसलिए प्रत्येक युवा को अपने जीवन का लक्ष्य निर्धारित कर उसी दिशा में निरंतर आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि शिक्षा, खेल, कौशल विकास, सामाजिक सेवा और सकारात्मक सोच ही युवाओं को सफलता के शिखर तक पहुंचा सकती है। नशा व्यक्ति की क्षमता, आत्मविश्वास और भविष्य को कमजोर करता है, इसलिए इससे दूर रहना प्रत्येक युवा की जिम्मेदारी है।

नशा केवल व्यक्ति नहीं, पूरे समाज को करता है प्रभावित-कार्यक्रम में बताया गया कि नशा अनेक सामाजिक और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का प्रमुख कारण बनता जा रहा है। इसके कारण युवाओं का भविष्य अंधकारमय होता है, परिवार आर्थिक और मानसिक संकट का सामना करता है तथा समाज में अपराध और असामाजिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलता है। विधायक ने कहा कि यदि समाज को स्वस्थ और समृद्ध बनाना है तो नशे के खिलाफ व्यापक जनजागरण आवश्यक है। प्रत्येक नागरिक, अभिभावक, शिक्षक और सामाजिक संगठन को इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभानी चाहिए ताकि आने वाली पीढ़ी सुरक्षित और जागरूक बन सके।

विद्यार्थियों को लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने की प्रेरणा-कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थियों से संवाद करते हुए विधायक ने कहा कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए अनुशासन, परिश्रम और सकारात्मक सोच सबसे महत्वपूर्ण आधार हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से मोबाइल और नशे जैसी नकारात्मक आदतों से दूरी बनाकर पढ़ाई, खेलकूद और व्यक्तित्व विकास पर विशेष ध्यान देने का आह्वान किया।उन्होंने कहा कि जो युवा अपने समय का सही उपयोग करते हैं, वही भविष्य में समाज और देश के लिए प्रेरणा बनते हैं। इसलिए प्रत्येक विद्यार्थी को अपने सपनों को साकार करने के लिए निरंतर मेहनत करनी चाहिए और किसी भी प्रकार के नशे से स्वयं को दूर रखना चाहिए।

नशामुक्त भारत के निर्माण का लिया गया संकल्प-कार्यक्रम के दौरान उपस्थित युवाओं एवं विद्यार्थियों ने नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए सामूहिक संकल्प लिया। सभी ने यह संदेश दिया कि वे स्वयं नशे से दूर रहेंगे तथा अपने परिवार, मित्रों और समाज को भी इसके दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करेंगे।वक्ताओं ने कहा कि यदि हर युवा नशे का त्याग कर स्वस्थ जीवनशैली अपनाए, तो देश की ऊर्जा सही दिशा में आगे बढ़ेगी और विकसित भारत के निर्माण का सपना साकार होगा। युवाओं को खेल, योग, सांस्कृतिक गतिविधियों और सामाजिक कार्यों से जुड़ने के लिए भी प्रेरित किया गया।

जनभागीदारी से ही सफल होगा अभियान-कार्यक्रम के अंत में विधायक आशाराम नेताम ने कहा कि नशामुक्त समाज का निर्माण केवल सरकार या किसी एक संस्था के प्रयासों से संभव नहीं है। इसके लिए समाज के प्रत्येक नागरिक की भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने सभी युवाओं, अभिभावकों, शिक्षकों और सामाजिक संगठनों से इस अभियान को जनआंदोलन बनाने का आह्वान किया।उन्होंने कहा कि आइए हम सभी संकल्प लें कि नशे से दूरी बनाएंगे, स्वस्थ जीवन अपनाएंगे और एक सशक्त, जागरूक एवं विकसित भारत के निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएंगे। यही हमारी युवा शक्ति का वास्तविक दायित्व है और यही राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य की सबसे मजबूत नींव भी है।

शिक्षा की गुणवत्ता एवं शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करें : कलेक्टर नम्रता जैन

नारायणपुर। कलेक्टर नम्रता जैन की अध्यक्षता में जिला कार्यालय के सभा कक्ष में स्कूल शिक्षा विभाग की शैक्षणिक सत्र 2026-27 की प्रथम समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर नम्रता जैन ने जिले में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, शत-प्रतिशत नामांकन एवं विद्यालयों में बच्चों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिले का कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे, जिले के सभी विद्यालयों में शत-प्रतिशत प्रवेश सुनिश्चित करते हुए स्कूल त्यागी बच्चों को पुनः शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ा जाए। जिन बच्चों की पढ़ाई के लिए आश्रम-छात्रावास की आवश्यकता हो, उन्हें स्थानीय स्तर पर आवश्यक सुविधा उपलब्ध कर शिक्षा से जोड़ा जाए। कलेक्टर ने संकुल समन्वयकों के कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश देते हुए कहा कि उत्कृष्ट कार्य करने वाले संकुल समन्वयकों को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सम्मानित किया जाएगा। साथ ही अधिक से अधिक विद्यालयों का भ्रमण कर शैक्षणिक गतिविधियों की सतत निगरानी करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने यू-डाइस प्लस पोर्टल में विद्यार्थियों की प्रोफाइल अद्यतन करने एवं नवीन विद्यार्थियों का शत-प्रतिशत पंजीयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उत्कृष्ट कार्य करने वाले ओरछा विकासखंड के संकुल समन्वयकों की सराहना करते हुए उन्हें सभी विकासखंडों के लिए प्रेरणास्रोत बताया। कलेक्टर ने सभी प्राचार्यों एवं संकुल समन्वयकों को निर्देशित किया कि प्रत्येक स्कूल त्यागी एवं अप्रवेशित बच्चे का शत-प्रतिशत विद्यालय में प्रवेश सुनिश्चित किया जाए तथा इस संबंध में प्रमाण-पत्र भी प्रस्तुत किया जाए कि उनके क्षेत्र में कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित नहीं है। बैठक में कलेक्टर ने विद्यालयों में विद्यार्थियों को गणवेश वितरण, पाठ्यपुस्तकों की उपलब्धता एवं मध्यान्ह भोजन व्यवस्था की भी समीक्षा की। ओरछा विकासखंड के निरीक्षण के दौरान कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय में गणवेश वितरण नहीं होने पर उन्होंने संबंधित विकासखंड शिक्षा अधिकारी एवं एबीआरसी को तत्काल गणवेश वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

प्रयास आवासीय विद्यालयों में कक्षा 9वीं प्रवेश हेतु काउंसलिंग शुरू

नारायणपुर। मुख्यमंत्री बाल भविष्य सुरक्षा योजना के अंतर्गत संचालित प्रयास आवासीय विद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2026-27 की कक्षा 9वीं में प्रवेश के लिए चयनित छात्र-छात्राओं की काउंसलिंग प्रक्रिया 22 जुलाई से 5 अगस्त तक आयोजित की जा रही है। प्रवेश परीक्षा का परिणाम घोषित होने के बाद विभाग द्वारा पात्र विद्यार्थियों की सूची एवं काउंसलिंग की तिथियां विभागीय वेबसाइट https://eklavya.cg.nic.in पर जारी कर दी गई हैं। जारी सूचना के अनुसार, काउंसलिंग सूची में शामिल विद्यार्थियों को सूची में दर्शाए गए आवंटित प्रयास आवासीय विद्यालय में निर्धारित तिथि पर प्रातः 11:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक उपस्थित होकर काउंसलिंग प्रक्रिया पूरी करनी होगी। सभी अभ्यर्थियों को अपने साथ आवश्यक मूल दस्तावेज एवं उनकी प्रतियां अनिवार्य रूप से लानी होंगी। काउंसलिंग के लिए आवश्यक दस्तावेजों में कक्षा 8वीं की प्रथम श्रेणी (60 प्रतिशत या अधिक) की अंकसूची, विद्यालय के प्राचार्य द्वारा जारी अध्ययन सत्यापन प्रमाण-पत्र, नक्सल पीड़ित प्रमाण-पत्र (यदि लागू हो), अल्पसंख्यक वर्ग का नोटरी सत्यापित प्रमाण-पत्र, जाति प्रमाण-पत्र, विशेष पिछड़ी जनजाति प्रमाण-पत्र सहित विशेष श्रेणी के विद्यार्थियों के लिए संबंधित प्रमाण-पत्र शामिल हैं। दिव्यांग, दिव्यांग माता-पिता के बच्चे, अनाथ, विधवा या परित्यक्ता महिला के बच्चे तथा शहीद पुलिस, अर्द्धसैनिक एवं सशस्त्र बलों के बच्चों को भी संबंधित प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा। विभाग ने स्पष्ट किया है कि काउंसलिंग के बाद जिन विद्यार्थियों का प्रवेश सुनिश्चित होगा, उन्हें तीन दिवस के भीतर जिला शिक्षा अधिकारी से काउंटर हस्ताक्षरित स्थानांतरण प्रमाण-पत्र (टीसी) तथा जिला चिकित्सा अधिकारी द्वारा जारी सिकल सेल जांच प्रमाण-पत्र संबंधित प्रयास आवासीय विद्यालय में जमा करना अनिवार्य होगा।

जवाहर नवोदय विद्यालय, सुकमा में 2वीं बटालियन, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

सुकमा। कमांडेंट श्री कमलेश कुमार के नेतृत्व में श्री राजेश कुमार, सहायक कमांडेंट तथा निरीक्षक श्री राजेन्द्र खरवाल ने विद्यालय के प्राचार्य श्री बलराम जाटव सहित शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के साथ मिलकर 500 विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण कराया। इस अवसर पर श्री राजेश कुमार, सहायक कमांडेंट ने विद्यार्थियों को अधिक से अधिक वृक्ष लगाने. उनकी नियमित देखभाल करने तथा पर्यावरण संरक्षण को अपने जीवन का अभिन्न अंग बनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि वृक्ष केवल प्रकृति की अमूल्य धरोहर ही नहीं, बल्कि स्वच्छ पर्यावरण, शुद्ध वायु एवं आने वाली पीढ़ियों क सुरक्षित भविष्य का आधार हैं। उन्होंने बच्चों से प्रत्येक वर्ष कम-से-कम एक पौधा लगाने तथा उसकी जिम्मेदारीपूर्वक देखभाल करने का संकल्प लेने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक पौधारोपण में भाग लिया तथा पर्यावरण सरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। विद्यालय परिवार ने लगाए गए पौधों के संरक्षण एवं नियमित देखभाल का भी संकल्प लिया। विद्यालय के प्राचार्य ने 2वीं बटालियन, सीआरपीएफ की इस सराहनीय पहल के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम विद्यार्थियों में प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। 2वीं बटालियन, सीआरपीएफ द्वारा समय-समय पर पर्यावरण संरक्षण, जन-जागरूकता एवं सामाजिक सरोकारों से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। यह वृक्षारापण कार्यक्रम समाज में हरित वातावरण के निर्माण तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनभागीदारी को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध हुआ।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बिलाईगढ़ तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

अधूरे गौरव पथ निर्माण का मामला गर्माया

भटगांव। सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के बिलाईगढ़ नगर में अधूरे पड़े गौरव पथ निर्माण कार्य को शीघ्र पूरा कराने की मांग अब तेज हो गई है। नगर के नागरिकों ने 26 जुलाई को शांतिपूर्ण सांकेतिक धरना-प्रदर्शन करने की सूचना प्रशासन को सौंप दी है। बिलाईगढ़ तहसीलदार के माध्यम से अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) को दिए गए सूचना पत्र में बताया गया है कि नगर पंचायत बिलाईगढ़ के नागरिक, नगर में अधूरे पड़े गौरव पथ निर्माण कार्य को जल्द पूरा कराने की मांग को लेकर 26 जुलाई को शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से सांकेतिक धरना-प्रदर्शन करेंगे। आयोजकों ने प्रशासन से कार्यक्रम की सूचना स्वीकार करने, आवश्यक प्रशासनिक व्यवस्था करने तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देने का अनुरोध किया है। साथ ही प्रदर्शन में शामिल सभी प्रतिभागियों द्वारा शांतिपूर्ण ढंग से अपने लोकतांत्रिक अधिकार का प्रयोग करने और कानून का पूर्ण पालन करने का आश्वासन भी दिया गया है। यह सूचना पत्र जिलाभी उपाध्यक्ष कांग्रेस कमेटी सारंगढ़-बिलाईगढ़ भागवत प्रसाद साहू द्वारा 23 जुलाई 2026 को प्रस्तुत किया गया है। अब 26 जुलाई को प्रस्तावित इस सांकेतिक धरना-प्रदर्शन पर प्रशासन और नगरवासियों की निगाहें टिकी हुई हैं।

मौसी के घर में नौ दिन के विश्राम के बाद अपने श्री मंदिर लौटे भगवान जगन्नाथ

किरंदुल। जगत के नाथ भगवान श्रीजगन्नाथ की बाहुड़ा यात्रा निकाली गई। भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा नौ दिन के विश्राम के बाद किरंदुल के फुटबॉल ग्राउंड स्थित माउसी के घर गुंडिचा मंदिर से वापस अपने श्री मंदिर की ओर रवाना हुए। सुबह परंपरागत पूजा-अर्चना जैसे बाल्य भोग, सूर्य पूजा, द्वारपाल पूजा, चकाछाड़, मंगल आरती और गौ पूजा के साथ दिन की गई। इसके बाद दोपहर में पहंडी रथारोहण अनुष्ठान संपन्न हुआ। रथ यात्रा से पूर्व अतिथि के द्वारा रथ मंडप व रास्ते की विधिवत सफाई कर छेरा पहरा की परंपरा निभाई गई। ढोल नगाड़े डंका और शंखध्वनि के साथ माउसी बाड़ी से निकलकर मुख्य मार्ग होते हुए श्री जगन्नाथ मंदिर पहुंची। इस अवसर पर श्री जगन्नाथ सेवा समिति के अध्यक्ष आर सी नाहक, सचिव देवराज लेंका, आर एन साहू, ब्रजेश मिश्रा एवं हज़ारों की संख्या में श्रद्धालुगण उपस्थित थे।

अभनपुर कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल में बाल कैबिनेट शपथ ग्रहण समारोह संपन्न, छात्राओं ने जिम्मेदारी और सेवा का लिया संकल्प

बाल कैबिनेट विद्यार्थियों में नेतृत्व, अनुशासन और राष्ट्र निर्माण का सशक्त मंच : टेकेश्वर सिन्हा

कांकेर। जिले के सरोना तहसील के अंतर्गत शासकीय कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल, अभनपुर में बाल कैबिनेट शपथ ग्रहण समारोह गरिमामय, अनुशासित एवं प्रेरणादायी वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में जनभागीदारी विकास समिति के अध्यक्ष एवं भारतीय जनता पार्टी मंडल सरोना के अध्यक्ष टेकेश्वर सिन्हा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। समारोह का शुभारंभ मां सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पुष्प अर्पित कर किया गया। इसके बाद विद्यालय परिसर में उत्साह, अनुशासन और नेतृत्व विकास का प्रेरणादायी वातावरण देखने को मिला। छात्राओं ने पूरे उत्साह के साथ कार्यक्रम में भाग लेते हुए अपने दायित्वों के निर्वहन का संकल्प लिया।

नेतृत्व क्षमता विकसित करने का प्रभावी माध्यम है बाल कैबिनेट-इस अवसर पर मुख्य अतिथि टेकेश्वर सिन्हा ने विद्यालय की शाला नायिका गौरी विश्वकर्मा, उप शाला नायिका वैशाली मरकाम सहित बाल कैबिनेट के सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। शपथ के दौरान छात्राओं ने ईमानदारी, निष्ठा और समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने, विद्यालय की गरिमा बनाए रखने, अनुशासन का पालन करने, स्वच्छता को बढ़ावा देने तथा विद्यालय में आदर्श शैक्षणिक वातावरण बनाए रखने का संकल्प लिया। इस अवसर पर टेकेश्वर सिन्हा ने कहा कि बाल कैबिनेट केवल एक औपचारिक व्यवस्था नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण का महत्वपूर्ण माध्यम है। इससे बच्चों में नेतृत्व क्षमता, निर्णय लेने की योग्यता, आत्मविश्वास, अनुशासन, उत्तरदायित्व और लोकतांत्रिक मूल्यों का विकास होता है। विद्यालय स्तर पर जिम्मेदारियां निभाने वाले विद्यार्थी आगे चलकर समाज और राष्ट्र के सफल नेतृत्वकर्ता बनते हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करना नहीं, बल्कि अच्छे संस्कारों और जिम्मेदार नागरिकों का निर्माण करना भी है।

छात्राओं से सेवा, अनुशासन और स्वच्छता को जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान- टेकेश्वर सिन्हा ने बाल कैबिनेट के सभी पदाधिकारियों से कहा कि वे अपने पद को सम्मान का प्रतीक मानने के बजाय सेवा और जिम्मेदारी का अवसर समझें। उन्होंने छात्राओं से विद्यालय में अनुशासन बनाए रखने, नियमित अध्ययन करने, समय का सदुपयोग करने, पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक रहने, परिसर को स्वच्छ रखने तथा आपसी सहयोग और भाईचारे की भावना को मजबूत करने का आह्वान किया।उन्होंने कहा कि विद्यालय में पढ़ाई के साथ-साथ सामाजिक गतिविधियों में भाग लेने से विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास होता है। ऐसे कार्यक्रम बच्चों में नेतृत्व, संगठन क्षमता और आत्मविश्वास का विकास करते हैं, जिससे वे भविष्य की चुनौतियों का सामना करने में सक्षम बनते हैं। उन्होंने कहा कि आज की छात्राएं कल के समाज और राष्ट्र की दिशा तय करेंगी, इसलिए उनमें सकारात्मक सोच, सेवा भावना और नैतिक मूल्यों का विकास अत्यंत आवश्यक है।

संस्कारयुक्त शिक्षा और व्यक्तित्व निर्माण पर सरकार का विशेष फोकस- टेकेश्वर सिन्हा ने आगे और कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने, विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास तथा संस्कारयुक्त शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए लगातार कार्य कर रही है। बाल कैबिनेट जैसी गतिविधियां विद्यार्थियों में नेतृत्व कौशल, सामाजिक उत्तरदायित्व, आत्मविश्वास और निर्णय क्षमता विकसित करती हैं।उन्होंने कहा कि यदि विद्यार्थी विद्यालय जीवन से ही अनुशासन, ईमानदारी, सेवा और जिम्मेदारी का पालन करना सीख जाते हैं तो भविष्य में वे समाज, प्रदेश और देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्र निर्माण की मजबूत नींव विद्यालयों में ही रखी जाती है और बाल कैबिनेट इस दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण पहल है।

जिम्मेदार नागरिक बनने की सीख, छात्राओं को मिला प्रेरणादायी संदेश-क्षेत्र के जनपद सदस्य भाऊराम भास्कर ने भी छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि बाल कैबिनेट विद्यालय में नेतृत्व और अनुशासन विकसित करने का सबसे प्रभावी मंच है। उन्होंने छात्राओं से अपने दायित्वों का पूरी ईमानदारी के साथ पालन करने, शिक्षकों का सम्मान करने, नियमित अध्ययन करने तथा विद्यालय और अपने परिवार का नाम रोशन करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आज के विद्यार्थी ही आने वाले भारत के जिम्मेदार नागरिक और देश के भविष्य के निर्माता हैं। सरपंच मालती नेताम सहित उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने भी छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बाल कैबिनेट जैसी गतिविधियां बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ाती हैं और उन्हें सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक बनाती हैं। उन्होंने विद्यालय परिवार द्वारा किए गए इस आयोजन की सराहना करते हुए इसे विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास की दिशा में सराहनीय पहल बताया।

उल्लेखनीय उपस्थिति और सफल आयोजन पर विद्यालय परिवार को बधाई-कार्यक्रम में जनपद पंचायत सदस्य भाऊराम भास्कर, ग्राम पंचायत अभनपुर की सरपंच मालती,उप सरपंच नेताम,बुद्धेश भास्कर, जनभागीदारी विकास समिति के पूर्व अध्यक्ष घुने सिंह नेताम, मन्नूराम भास्कर, दुलसिंह नेताम, शासकीय बालक हायर सेकेंडरी स्कूल के जनभागीदारी विकास समिति के अध्यक्ष विश्वनाथ नेताम, आनंद नेताम, शंभूराम नेताम, कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल के प्राचार्य आर.पी. नेताम, न्यूरोसिया सर, मानिकपुरी सर, संपत नेताम सहित विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के समापन अवसर पर टेकेश्वर सिन्हा ने शाला नायिका गौरी विश्वकर्मा, उप शाला नायिका वैशाली मरकाम तथा बाल कैबिनेट के सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने विद्यालय परिवार को सफल आयोजन के लिए बधाई देते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, अनुशासन, आत्मविश्वास और राष्ट्र सेवा की भावना विकसित करने में अत्यंत उपयोगी सिद्ध होते हैं तथा शिक्षा के साथ संस्कारों के समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करते हैं।

संक्षिप्त समाचार

जूनाडीह (मैनपाट) के माझी समाज की बेटी ने नीट परीक्षा क्वांलिफाई किया

मैनपाट ब्लॉक के सरभंजा संकुल अंतर्गत संचालित शासकीय प्राथमिक विद्यालय जूनाडीह की पूर्व छात्रा कु विमला माझी पिता ने नीट परीक्षा क्रैक कर विद्यालय सहित पूरे विकासखंड का नाम रोशन किया, कु विमला माझी ने प्रारंभिक शिक्षा शासकीय प्राथमिक शाला जूनाडीह से ही प्राप्त की है .प्राथमिक शाला जूनाडीह के प्रधान पाठक एवं संकुल समन्वयक काजेश कुमार घोष एवं उनके सहायक ईश्वर कुजूर ने विमला मांझी को विद्यालय मे आमंत्रित कर साल श्रीफल देकर सम्मानित किया, एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की, घोष जी के आग्रह पर कु विमला ने शाला के बच्चों को सफलता प्राप्त करने की टीप दी गई, वर्तमान मे विमला मांझी के भाई मुकेश इसी विद्यालय मे अंशकालीन स्विपर के पद पर कार्यरत है, पिता माता कृषि मजदूर है

ओपन परीक्षा का सेंटर लखनपुर नहीं होने से परीक्षार्थियों को हो रही परेशानी,परीक्षा केंद्र बनाये जाने की माँग लेकर महिलायें पहुची विधायक के पास

लखनपुर। लंबे समय से हो रही मांग के बाद अब ओपन परीक्षा की तैयारी कर रही करीब 224 परीक्षार्थियों ने मोर्चा खोल दिया।महिलाओं और बालिकाओं ने जिला पंचायत सदस्य के नाम से आवेदन सौंपते हुए लखनपुर को परीक्षार्थीयो के लिए परीक्षा केंद्र बनाये जाने की मांग की है। ओपन परीक्षा के लिए चौपाल संस्था द्वारा अध्ययन अध्यापन करा तथा शैक्षणिक प्रशिक्षण प्रदान कर 10 वी की परीक्षा के लिए तैयार कराया गया है जिसके बाद अब सभी परीक्षार्थियों के लिए परीक्षा केंद्र की बड़ी समस्या खड़ी हो गई है जहाँ अंबिकापुर को परीक्षा केंद्र बना दिया गया है। पूर्व में लखनपुर को परीक्षा केंद्र बनाया गया था जिसके बाद परीक्षा केंद्र से हटाकर अंबिकापुर को परीक्षा केंद्र बना दिया गया। परीक्षा केंद्र दूर होने तथा परीक्षा का समय 8.30 बजे होने से दूर से आने वाले परीक्षार्थीयो को काफ़ी समस्या का सामना करना पड़ता है तथा कई परीक्षार्थी परीक्षा केंद्र दूर होने के कारण परीक्षा केंद्र पर समय पर पहुँच भी नहीं पाते। इसके बाद आज परीक्षा की तैयारी कर रहे 224 परीक्षार्थियों बी विधायक निवास पहुच जिला पंचायत सदस्य विजय अग्रवाल को लखनपुर परीक्षा केंद्र बनाये जाने आवेदन प्रस्तुत किया है। आवेदन प्राप्त होने के पश्चात जिला पंचायत सदस्य विजय अग्रवाल ने जिला शिक्षा अधिकारी और खंड शिक्षा अधिकारी को इस बारे में अवगत कराते हुए लखनपुर को परीक्षा केंद्र बनाये जाने की मांग की है।

साप्ताहिक बाजार में सब्जी लेने गए एलसीसी कंपनी के सुपरवाइजर के साथ ग्रामीणों ने किया मारपीट

लखनपुर। लखनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पुहपुटरा साप्ताहिक बाजार में सब्जी लेने गए एनसीसी कंपनी के सुपरवाइजर के साथ ग्रामीणों के द्वारा गाली गलौज कर मारपीट की घटना को अंजाम दिया गया है वहीं लखनपुर पुलिस रिपोर्ट दर्ज करते हुए मामले की जांच में जुटी है। प्रार्थी अतुल ठाकरे पिता अरविंद ठाकरे उम्र 24 वर्ष अमेरा खदान के एलसीसी कंपनी के सुपरवाइजर के पद पर पदस्थ है। 25 जुलाई दिन शनिवार की शाम 6 बजे पूहपुटरा साप्ताहिक बाजार में प्रार्थी अतुल ठाकरे सब्जी लेने गया हुआ था अमेरा खदान में कोयला लेने जाने से मना करने से नाराज बिहारी राम पिता रमा शंकर, देव राजवाड़े, ग्राम पूहपुटरा निवासी,ने गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी देते हुए जमीन पर पटककर डंडे हाथ मुक्के और कड़ा से मार कर घायल कर दिया। प्रार्थी ने लखनपुर थाने पहुंच रिपोर्ट दर्ज कराया

आगामी परीक्षाओं में बेहतर परिणाम के लिए प्रारंभ से ही प्रभावी कार्ययोजना बनाने के दिए निर्देश

मेडिकल एवं इंजीनियरिंग की तैयारी करने वाले जिले के विद्यार्थियों को स्कूलों में ही मिलेगी ऑनलाइन क्लास की सुविधा-कलेक्टर अजीत......

- हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी विद्यालयों में सैनिटरी पैड प्रदाय के निर्देश
- पीवीटीजी समुदाय के बच्चों को अगली कक्षाओं में प्राथमिकता के साथ प्रवेश दिलाने के निर्देश
- कलेक्टर ने स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक ली

अम्बिकापुर। कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने शनिवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में स्कूल शिक्षा विभाग की विस्तृत समीक्षा बैठक लेकर जिले में संचालित शैक्षणिक गतिविधियों, शिक्षा व्यवस्था तथा विद्यार्थियों के शैक्षणिक प्रदर्शन की विस्तार से समीक्षा की। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विनय कुमार अग्रवाल, जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. दिनेश कुमार झा, सभी विकासखंड शिक्षा अधिकारी, प्राचार्य एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।बैठक में कलेक्टर श्री वसंत ने कहा कि नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत हो चुकी है, इसलिए प्रारंभ से ही सुनियोजित कार्ययोजना बनाकर कार्य किया जाए ताकि जिले के प्रत्येक विद्यार्थी को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध हो सके तथा आगामी परीक्षाओं में बेहतर परिणाम प्राप्त हों। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए प्रत्येक स्तर पर नियमित मॉनिटरिंग की जाए और पढ़ाई से संबंधित गतिविधियों की सतत समीक्षा सुनिश्चित की जाए।जिले के सभी हायर सेकेंडरी स्कूलों में मेडिकल एवं इंजीनियरिंग की तैयारी के लिए ऑनलाइन क्लासेस कलेक्टर श्री वसंत ने निर्देशित किया जिले के छात्र-छात्राएं मेडिकल एवं इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी करना चाहते हैं, उन्हें अब जिले के सभी हायर सेकेंडरी विद्यालयों में ग्यारहवीं के छात्रों को ऑनलाइन क्लासेस की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी, विकासखंड शिक्षा अधिकारियों एवं विद्यालय प्राचार्यों को निर्देश दिए कि प्रत्येक विद्यालय में इंटरनेट कनेक्टिविटी, पृथक कक्ष, बड़ी स्क्रीन सहित सभी आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था समय पर सुनिश्चित की जाए, ताकि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण ऑनलाइन मार्गदर्शन प्राप्त हो सके। उन्होंने रायपुर में नीट एवं जेईई की तैयारी कर रहे जिले के विद्यार्थियों की नियमित मॉनिटरिंग एवं फीडबैक लेने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को बार-बार प्रश्नों का अभ्यास कराया जाए तथा नियमित टेस्ट सीरीज उपलब्ध कराई जाए, जिससे प्रतियोगी परीक्षाओं में उनका प्रदर्शन बेहतर हो सके। कलेक्टर ने भवनविहीन एवं विद्युतविहीन विद्यालयों की जानकारी लेते हुए उनकी सूची उपलब्ध कराने के निर्देश दिए, ताकि आवश्यक कार्यवाही कर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। उन्होंने विद्यालयों में पाठ्यपुस्तकों एवं गणवेश की उपलब्धता की समीक्षा करते हुए सभी पात्र विद्यार्थियों तक समय पर पर्याप्त संख्या में वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्यालयों में स्थापित न्यूज डेस्क की जानकारी लेते हुए कहा कि विद्यार्थियों में समाचार पत्र पढ़ने की आदत विकसित की जाए, जिससे उनमें सामान्य ज्ञान एवं समसामयिक विषयों की समझ बढ़े।

हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी विद्यालयों में सैनिटरी पैड प्रदाय के निर्देश

कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने 15वें वित्त की स्वच्छता मद से जिले के सभी हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी विद्यालयों में अध्ययनरत बालिकाओं को सैनिटरी पैड प्रदाय कराने एवं बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

हाई स्कूल में अतिथि व्याख्याताओं की होगी व्यवस्था

कलेक्टर श्री वसंत ने हाई स्कूल एवं हायर सेकेण्डरी स्कूलों में डीएमएफ मद से 26 अतिथि व्याख्याताओं की स्वीकृति दी है, उन्होंने भर्ती प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं, ताकि विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित न हो। कलेक्टर ने शाला विकास समिति के माध्यम से अतिथि व्याख्याताओं की भर्ती प्रक्रिया पूर्ण पारदर्शिता के साथ संपन्न कराने को कहा।

पीवीटीजी समुदाय के बच्चों के प्रवेश एवं शिक्षा पर विशेष फोकस

बैठक में कलेक्टर ने विशेष पिछड़ी जनजाति (पीवीटीजी) समुदाय के बच्चों की शिक्षा पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया कि आश्रम-छात्रावासों में अध्ययनरत ऐसे विद्यार्थियों की सूची तैयार की जाए, जो इस वर्ष कक्षा पांचवीं, आठवीं, नवमीं एवं ग्यारहवीं में प्रवेश लेने वाले हैं। ऐसे सभी बच्चों का अगली कक्षाओं में प्राथमिकता के साथ प्रवेश सुनिश्चित किया जाए तथा उनकी नियमित मॉनिटरिंग की जाए।उन्होंने कहा कि यदि कोई बच्चा विद्यालय छोड़ने की स्थिति में है तो उसके अभिभावकों से संपर्क कर उन्हें शिक्षा के प्रति प्रेरित किया जाए। कलेक्टर ने कहा कि पीवीटीजी समुदायों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का सबसे प्रभावी माध्यम शिक्षा है, इसलिए इस दिशा में विशेष प्रयास किए जाएं।उन्होंने आंगनबाड़ी से कक्षा पहली में प्रवेश लेने वाले बच्चों की सूची संबंधित एसडीएम एवं तहसीलदार को उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए।

विद्यालयों में आधारभूत सुविधाएं समय पर हों पूर्ण

कलेक्टर ने विद्यालय परिसरों की साफ-सफाई, पेयजल, शौचालय, विद्युत व्यवस्था, फर्नीचर तथा आवश्यक मरम्मत कार्य समय रहते पूर्ण करने के निर्देश दिए। जिन हायर सेकेंडरी विद्यालयों में व्यावसायिक पाठ्यक्रम संचालित हैं तथा अतिरिक्त कक्ष की आवश्यकता है, वहां अतिरिक्त कक्ष निर्माण की कार्यवाही करने को कहा। वीबी जी राम जी योजना के तहत 300 विद्यालयों में बालिकाओं के लिए पृथक शौचालय एवं नगरीय क्षेत्रों में डीएमएफ मद से बालिकाओं के लिए शौचालय निर्माण की स्वीकृति दी जा रही है।

साइकिल वितरण से पहले गुणवत्ता का सत्यापन करें

कलेक्टर श्री वसंत ने निशुल्क साइकिल वितरण योजना की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि विद्यार्थियों को साइकिल वितरित करने से पहले उसकी गुणवत्ता का परीक्षण अनिवार्य रूप से किया जाए, ताकि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण सामग्री उपलब्ध हो सके।

अपार आईडी, जन्म प्रमाण पत्र एवं आधार निर्माण में तेजी लाने के निर्देश

बैठक में कलेक्टर ने विद्यार्थियों के अपार आईडी निर्माण की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने सभी विकासखंड शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन विद्यार्थियों का जन्म प्रमाण पत्र बन चुका है, उनका आधार कार्ड शीघ्र बनवाया जाए। उन्होंने संबंधित विभागों के समन्वय से प्रमाण पत्र निर्माण की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए।

सेवानिवृत्त कर्मचारियों को समय पर मिले सभी दस्तावेज

कलेक्टर श्री वसंत ने निर्देश दिए कि जिन कर्मचारियों की सेवा अवधि पूर्ण हो रही है, उन्हें सेवानिवृत्ति के दिन ही पीपीओ, जीपीओ प्राधिकार पत्र सहित सभी आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराए जाएं। उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया कि प्रत्येक माह आयोजित समय-सीमा की पहली बैठक में सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों की अद्यतन जानकारी अनिवार्य रूप से प्रस्तुत की जाए।बैठक में कलेक्टर ने शिक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी एवं परिणाममुखी बनाने, विद्यार्थियों की शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार, प्रतियोगी परीक्षाओं की बेहतर तैयारी तथा सभी विद्यालयों में आवश्यक सुविधाएं समय पर उपलब्ध कराने के लिए विस्तृत चर्चा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

प्रेग्नेंसी में पल रहे बच्चे का लिंग जांच अपराध

सारंगढ़ । गर्भ में पल रहे बच्चे का लिंग परीक्षण करना और कराना अपराध है। साथ ही बेटी बचाओं अभियान और समान लिंगानुपात को सुचारु संचालन तथा बालिका भ्रूण का क्लिनिक और हॉस्पिटल में किए जाने वाले गर्भपात (एबॉर्शन) के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही के लिए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय रानीसागर सारंगढ़ में शुक्रवार को गर्भधारण पूर्व और प्रसवपूर्व निदान तकनीक (पीसीपीएनडीटी) की जिला सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में सभी सदस्यों को शामिल किया गया और उन्हें गर्भ में पल रहे शिशु के अवैध लिंग परीक्षण करने वाले नर्सिंग होम और हॉस्पिटल की शिकायत और जांच में अवैध लिंग परीक्षण करते पाए जाने पर उनकी वैधता समाप्त करने की कार्यवाही कलेक्टर एवं अध्यक्ष जिला सलाहकार समिति के माध्यम से करने की जानकारी दी गई। साथ ही जिले में 4 नये केंद्र के सोनोग्राफी लाइसेंस हेतु दस्तावेज का अवलोकन कर सदस्यों ने लिखित अनुमति दी। पीसीपीएनडीटी एक्ट 1994 के तहत गर्भधारण पूर्व और प्रसवपूर्व लिंग अवधारणसंबंधी विज्ञापन का प्रतिषेध और उसके उल्लंघन के लिए दंड अंतर्गत कोई भी व्यक्ति, संगठन, आनुवंशिकी सलाह केंद्र, आनुवंशिकी प्रयोगशाला या आनुवंशिकी क्लिनिक, जिसके अंतर्गत ऐसा क्लिनिक, प्रयोगशाला या केंद्र भी है, जिसमें अल्ट्रासाउंड मशीन, इमेजिंग मशीन या स्कैनर या कोई अन्य ऐसी प्रौद्योगिकी है, जो भ्रूण के लिंग का अवधारण करने और ऐसे केन्द्र, प्रयोगशाला जारी, प्रकाशित, करने में समर्थ है, प्रसवपूर्व लिंग अवधारण या गर्भधारण पूर्व लिंग चयन की सुविधाओं के बारे में, जो किसी अन्य स्थान पर उपलब्ध है।

भाजयुमो जिला सरगुजा के प्रभारी सन्नी केसरी का प्रथम आगमन,कार्यकर्ताओं ने किया भव्य स्वागत

अंबिकापुर : भारतीय जनता युवा मोर्चा जिला सरगुजा के नवनियुक्त प्रभारी सन्नी केसरी के आज प्रथम बार नगर आगमन पर युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने पुष्पहार और नारों के साथ अपनी आत्मीय उपस्थिति दर्ज कराई।स्वागत कार्यक्रमों के पश्चात जिला कार्यालय में भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष भारत सिंह सिसौदिया की विशेष मौजूदगी में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य जिले के समस्त पदाधिकारियों, मंडल अध्यक्षों और सक्रिय कार्यकर्ताओं के साथ परिचय सत्र आयोजित करना तथा आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करना था।बैठक को संबोधित करते हुए भारत सिंह सिसोदिया ने कहा कि

युवा मोर्चा संगठन की सबसे ऊर्जावान शक्ति है। संगठन की मजबूती के लिए सभी कार्यकर्ता अनुशासन, समर्पण और सक्रियता के साथ बूथ स्तर तक कार्य करें तथा आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं।बैठक को संबोधित करते हुए जिला प्रभारी सन्नी केसरी ने कहा कि युवा मोर्चा पार्टी की रीढ़ है और आगामी समय में संगठन को और अधिक धार देने के लिए हम सबको मिलकर बूथ स्तर तक काम करना होगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आम जनमानस और युवाओं तक पहुंचाएं।युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष निशांत सिंह सोलू द्वारा प्रभारी का आत्मीय स्वागत कर बैठक की कार्ययोजना एवं उससे संबंधित जानकारी को विस्तार पूर्व कार्यकर्ताओं के सामने रखने का आग्रह किया गया।इस परिचयात्मक बैठक में आगामी कार्यक्रमों की कार्ययोजना पर विस्तार मुख्य रूप से वन बूथ 20 यूथ से संबंधित चर्चा की गई और सभी पदाधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गईं। कार्यक्रम में जिला महामंत्री विनोद हर्ष, भाजपा उपाध्यक्ष विकास पांडेय एवं मन की बात के प्रभारी जन्मेजय मिश्रा की उपस्थिति के साथ युवा मोर्चा से अनीश सिंह, अविनाश मंडल, ऋष्षु अंबष्ट, चंद्रप्रकार, अभिषेक सिंह, रवजोत सिंह, शुभम भदौरिया, आशुमल गर्ग, अनुराग शुक्ला, ओंकारेश्वर सिंह, कौशलेंद्र गुप्ता, सौरभ मिश्रा, प्रीतेश दुबे, अभिषेक माथुर, शैलेन्द्र चौबे, प्रिंस तिवारी, अंकित जायसवाल, शौर्य प्रताप सिंह, समीर बेहरा, मंडल अध्यक्ष आयुष दुबे, विशाल सिंह, अमित अग्रवाल, रमेश यादव, नार सिंह, रोहन मंडल, लालू यादव, नीरेंद्र सारथी, पारस यादव, धर्मेंद्र गुप्ता, धनंजय सिंह।

जिला एवं सत्र न्यायाधीश अंबिकापुर के गरिमामयी उपस्थिति में सरगुजा पुलिस की एक दिवसीय विवेचना कार्यशाला हुई आयोजित

अंबिकापुर/नवीन क़ानून के क्रियान्वयन पश्चात अपराधों की गुणवत्ता पूर्ण विवेचना एवं पीड़ितों को न्याय दिलाने हेतु सरगुजा जिले के विवेचकों को बेहतर अनुसंधान के तौर तरीके बताने के साथ ही विवेचना की बारीकी त्रुटियों को बताकर उन्हें दूर करने के क्रम में आज़ दिनांक को पुलिस कोऑर्डिनेशन सेंटर में माननीय जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री शक्ति सिंह राजपूत, डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा श्री राजेश अग्रवाल (भा.पु.से.), माननीय प्रथम अपर सत्र न्यायधीश श्रीमती ममता पटेल, माननीय मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री पल्लव रघुवंशी, माननीय प्रधान मजिस्ट्रेट श्रीमती कल्पना भगत के गरिमामयी उपस्थिति एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सरगुजा श्री अमोलक सिंह ढिल्लों, उप पुलिस अधीक्षक श्री राकेश बघेल, पुलिस अनुविभागीय अधिकारी ग्रामीण श्री तुल सिंह पट्टावी, उप पुलिस अधीक्षक अजाक श्री सुरेश भगत, रक्षित निरीक्षक तृप्ति सिंह राजपूत के नेतृत्व में एक दिवसीय विवेचना कार्यशाला का आयोजन किया गया,कार्यशाला में थाना/चौकी प्रभारी समेत समस्त प्रशिक्षु उप निरीक्षक एवं थाना चौकी में पदस्थ विवेचक कार्यशाला में उपस्थित रहकर प्रशिक्षण प्राप्त किये। माननीय जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने विवेचको को मोटर वाहन दुर्घटना दावा अधिकरण के नियमो, ई साक्ष्य का उपयोग, घटनास्थल में टेस्टिंग किट के उपयोग के तौर तरीके, साक्ष्य अधिनियम के तहत लिए जाने वाले मेमोरंडम पर विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई, परिस्थिजन्य साक्ष्य के मामलो में विवेचना बेहतर तरीके से करने, साथ ही किस आधार पर अपराध को प्रमाणित किया जा सकता है इसका ध्यान रखा जाए, सभी साक्ष्य का एक लिंक में जुड़ना आवश्यक है इसका ध्यान रखा जाए, घटनास्थल के बारे में विवेचक एवं एफएसएल टीम को स्पष्ट

जानकारी वर्णित करने की जानकारी प्रदान की गई। कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए माननीय प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश ने कहा कि विवेचको द्वारा केश डायरी न्यायालय में प्रस्तुत करते समय सीलबंद हालत में जमा करें, नजरी नक्शा बनाते समय अपराध से सम्बंधित जानकारी प्रदान की जाए, विवेचक मोबाइल के माध्यम से घटनास्थल का फोटो ले ले, ताकि गवाही के समय में जानकारी देना आसान हो, पुलिस टीम द्वारा आहत एवं आरोपी का ब्लड ग्रुप पता कर लिया जाए, एवं घटनास्थल से जप्त प्रदर्शो से अवश्य मिलान करवाये, गवाहों के सामने प्रदर्शो को जप्त सीलबंद करें, घटना का महत्वपूर्ण तथ्य अवश्य लिखें। माननीय मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अंबिकापुर ने विवेचना के सम्बन्ध में उद्बोधन देते हुए कहा कि गिरफ़्तारी के नियमो का पालन करना हर विवेचक की जिम्मेदारी है, महिलाओ की गिरफ़्तारी रात्रिकाल के दौरान ना हो, तय समय के भीतर रिमांड न्यायालय में पेश किये जाए, पुलिस रिमांड लेने विवेचक स्वयं कोर्ट में उपस्थित हो एवं पुलिस रिमांड ख़तम होने पश्चात भी विवेचक पुलिस रिमांड अवधि के ख़तम होने से पहले ही कोर्ट में उपस्थित हो, बाहर से आरोपियों को लाने से पूर्व सम्बंधित कोर्ट से ट्रांजिट रिमांड अवश्य प्राप्त करें, हथकड़ी के उपयोग के दिशा निर्देश की जानकारी विवेचको को प्रदान की गई, 07 साल एवं उससे कम के सजा वाले मामलो में चेक लिस्ट के नियमो का पालन करें, गिरफ्तार किये जाने वाले व्यक्ति को गिरफ़्तारी का कारण लिखित में अवश्य दिया जाए, केश डायरी में विवचना की कार्यवाही विस्तृत लेख किया जाए, पशु क्रूरता के मामलो में विवेचना हेतु विशेष दिशा निर्देश दिए गए, खात्मा खरीजी के प्रकरणों में विक्टिम को माननीय न्यायालय के समक्ष उपस्थित रखा जाए।

ग्रामीण उत्पादों के लिए एक्सपोर्ट ओरिएंटेशन प्रोग्राम का किया गया आयोजन

महासमुंद। कलेक्टर विनय कुमार लंगेह के निर्देशन एवं सीईओ जिला पंचायत सुश्री अनुपमा आनंद के मार्गदर्शन में 24 जुलाई को कृषि और संस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण रायपुर (एपीडा) संस्था एवं आनंद एजुकेशन सोसायटी रायपुर के द्वारा जिले में स्थापित फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी एवं समूह के द्वारा तैयार किए जा रहे उत्पाद के विपणन एवं एक्सपोर्ट के संबंध में एक दिवसीय एक्सपोर्ट ओरिएंटेशन प्रोग्राम का आयोजन जिला पंचायत महासमुंद में किया गया कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यातक विकास प्राधिकरण रायपुर द्वारा आयोजित एक दिवसीय एक्सपोर्ट ओरिएंटेशन प्रोग्राम का उद्देश्य ग्रामीण स्तर पर फार्मर प्रोड्यूसर ऑर्गेनाइजेशन, सूक्ष्म लघु उद्योग एवं समूह द्वारा उत्पादित सामग्रियों, कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यातकों का पंजीकरण, आरसीएमसी प्रमाण पत्र, अंतर्राष्ट्रीय बाजारों के लिए उत्पादकों के मानक और गुणवत्ता और वैश्विक बाजार के बीच कड़ी के रूप में काम करने हेतु आवश्यक जानकारी साझा किया गया। जिससे उत्पाद को निर्यात करने करने से उनका अधिक मूल्य पाया जा सके।सीईओ जिला पंचायत सुश्री अनुपमा आनंद द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित सदस्यों को संबोधित करते हुए उनके द्वारा निर्मित उत्पादित सामग्रियों को गुणवत्ता।

आयुर्वेद के अनुसार एक धीमा जहर है व्हाइट सॉस पास्ता

आजकल खान-पान में कई बदलाव होने लगे हैं। इंडियन कुजीन के साथ और भी कई तरह की कुजीन हमारी डाइट का हिस्सा बन चुकी हैं। पिज्जा, पास्ता और मोमो समेत कई चीजें आजकल लोगों को और खासकर बच्चों को बेहद पसंद आ रही हैं। व्हाइट सॉस पास्ता भी आजकल लोगों की फेवरेट डिश में से एक बन चुका है। लेकिन, क्या आप जानते हैं कि खाने-पीने की कई ऐसी चीजें हैं, जिन्हें हम रोजमर्रा की जिंदगी में शौक से खाते तो हैं लेकिन असल में ये सेहत के लिए नुकसानदेह है।

आयुर्वेद में खान-पान के तरीके और समय पर काफी जोर दिया जाता है। आज के समय में खान-पान की जिन चीजों का चलन बढ़ गया है, उनमें से कई ऐसी चीजें भी हैं, जिन्हें आयुर्वेद में सेहत के लिए नुकसानदेह बताया गया है। व्हाइट सॉस पास्ता इन्हीं में से एक है। यह क्यों आपकी सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है और किस तरह आप इसे हेल्दी तरीके से खा सकती हैं, इस बारे में एक्सपर्ट से जानते हैं।

एक्सपर्ट का कहना है कि आजकल लोग जब भी बाहर जाते हैं, तो अक्सर व्हाइट सॉस पास्ता ऑर्डर करते हैं। घरों में भी इसे बनाने का चलन बढ़ गया है। लेकिन, आयुर्वेद के अनुसार, यह एक धीमा जहर है, जो आपके शरीर को नुकसान पहुंचा रहा है।

- आयुर्वेद का कहना है कि शरीर में टॉक्सिन्स जमा होना और स्किन से जुड़े डिसऑर्डर के पीछे सबसे बड़ी वजह विरुध्द आहार होता है। विरुध्द आहार यानी खाने की दो ऐसी चीजों को एक साथ मिलाकर खाना, जो प्रकृति में एक-दूसरे के विपरीत हैं और सेहत पर बुरा असर डाल सकती हैं।
- जब आप व्हाइट सॉस बनाते हैं, तो इसमें दूध के साथ नमक मिलाते हैं, ये दोनों चीजें एक साथ लेना आयुर्वेद में सही नहीं बताया गया है।
- अगर आप लंबे समय तक इस कॉम्बिनेशन को खाते हैं, तो शरीर में टॉक्सिन्स जमा होने लगते हैं, स्किन से जुड़ी दिक्कतें हो जाती हैं और अर्थराइटिस भी हो सकती है।
- अगर आप इसे खाना चाहते हैं, तो व्हाइट सॉस बनाते समय रेगुलर मिल्क की जगह प्लांट बेस्ड मिल्क जैसे ओट मिल्क, कोकोनेट मिल्क और सोय मिल्क का इस्तेमाल करें। इससे सेहत को नुकसान नहीं होगा।

शरीर के साथ-साथ दिमाग और मन को भी हेल्दी रखने में मदद करता है योगासन

योगासन करने से पहले और बाद में कुछ बातों का ख्याल रखने की जरूरत होती है, जिससे फिट रहने में मदद मिल सकती है। आइए, यहां एक्सपर्ट से जानते हैं कि फिट रहने के लिए योगासन करने से पहले और बाद में किन बातों का ख्याल रखना चाहिए।

योगासन का महत्व सिर्फ भारत ही नहीं, पूरे दुनिया समझ रही है। योगासन हमारे शरीर के साथ-साथ दिमाग और मन को भी हेल्दी रखने में मदद करता है। योगासन करने के अनेक फायदे हैं, लेकिन क्या आप जानती हैं योग करने से पहले और बाद में कुछ बातों का खास ख्याल रखने की जरूरत होती है। रोजाना योगासन करने से पहले और बाद में किन बातों का ख्याल रखना चाहिए, यह हमें योग और स्पिचुरल लीडर हिमालयन सिद्धा अक्षर ने बताया है। हिमालयन सिद्धा अक्षर, अक्शर योग केंद्र के फाउंडर हैं। एक्सपर्ट के मुताबिक, योगासन करने से पहले और बाद में वार्म अप, कूल डाउन और न्यूट्रिशन जैसी चीजों का ख्याल रखना चाहिए।

योगासन से पहले किन बातों का रखें ध्यान?

एक्सपर्ट के मुताबिक, योगासन करने से पहले ठीक तरह से वार्म अप करना जरूरी माना जाता है। इस दौरान हल्के मूवमेंट करने चाहिए, जिससे ब्लड फ्लो और फ्लेक्सिबिलिटी बढ़ती है।

लाइट कार्डियो

योगासन करने से पहले 5-10 मिनट सैर करना, जगह पर ही खड़े रहकर जॉगिंग और जंपिग जैक्स करने की सलाह दी जाती है। क्योंकि यह हार्ट रेट को बढ़ाते हैं।

ज्वाइंट मूवमेंट

योगासन से पहले अपने हाथ, पैर, गर्दन और कंधों के ज्वाइंट्स को मूव करने की सलाह दी जाती है।

कैट-काउ स्ट्रेच

एक्सपर्ट के मुताबिक, पीठ की मूवमेंट के लिए पहले आर्च और राउंड बनाने की सलाह दी जाती है।

सूर्य नमस्कार

पूरे शरीर के वार्म अप के लिए पहले सूर्य नमस्कार के 2-3 राउंड करना फायदेमंद हो सकता है। सूर्य नमस्कार के अनेक फायदे होते हैं।

योगासन करने से पहले क्या खाना चाहिए?

एक्सपर्ट के मुताबिक, योगासन करने से पहले पोषण से भरपूर भोजन की सलाह दी जाती है, जिससे एनर्जी लेवल बना रहे और किसी तरह की परेशानी का सामना ना करना पड़े। योगासन से 2-3 घंटे पहले लाइट डाइट या 30 से 60 मिनट पहले कम मात्रा में स्नेक्स लेने चाहिए। रोजाना योगाभ्यास करने वालों को पूरे दिन हाइड्रेट रहने की सलाह दी जाती है। लेकिन योगासन करने से तुरंत पहले ज्यादा मात्रा में पानी का सेवन करने से बचना चाहिए।

योगासन के बाद क्या खाना है फायदेमंद?

- योगासन से पहले मुट्ठीभर नट्स और एक केला खाना फायदेमंद हो सकता है।
- एल्मन्ड बटर के साथ सेब को काटकर भी खाया जा सकता है।
- बेरिज के साथ ग्रीक योगर्ट का सेवन करना भी फायदेमंद हो सकता है।
- योगासन करने के 30-60 मिनट में खाना खा लेना चाहिए, इससे शरीर को रिकवर करने में आसानी होती है।
- योगासन के बाद शरीर को हाइड्रेट करना जरूरी हो जाता है, क्योंकि इस दौरान खूब सारे फ्लूयड्स शरीर से निकल जाते हैं। योगासन के बाद नारियल पानी का सेवन करना फायदेमंद माना गया है।
- योगासन करने के बाद प्रोटीन पाउडर, फल और पत्तेदार सब्जियों की स्मूदी का सेवन कर सकते हैं। नट्स के साथ ओटमील, सीड्स और फ्रेश फ्रूट्स का सेवन करना भी फायदेमंद हो सकता है।

योगासन से पहले क्या ना खाएं?

योगासन से पहले भारी और ज्यादा तला-भुना खाने से बचना चाहिए। योगासन से पहले मसालेदार खाने का सेवन नहीं करने की सलाह दी गई है। भारी मात्रा में भी कैफीन का सेवन करने से बचना चाहिए।

योगासन के बाद किन बातों का रखें ध्यान?

योगासन के बाद कूल डाउन होने की जरूरत होती है, इससे फिट रहने में मदद मिलती है।

शवासन

एक्सपर्ट के मुताबिक, योगासन के बाद 5 से 10 मिनट शवासन करना चाहिए, इससे आपके शरीर को आराम तो मिलेगा।

आसान स्ट्रेचिंग

योगासन करने के बाद शरीर के जिन जगहों पर दर्द का अहसास हो रहा है, उसके लिए 30 से 60 सेकेंड स्ट्रेच करें।

डीप ब्रीथिंग

योगासन करने के बाद धीरे और डीप ब्रीथिंग करने की सलाह दी जाती है, इससे नर्वस सिस्टम को आराम मिलता है।

मेडिटेशन

योगासन के बाद थोड़ी देर का मेडिटेशन भी आपके दिमाग और शरीर को रिलेक्स करने में मदद कर सकता है। मेडिटेशन के अनेक फायदे होते हैं।

जिंक से प्रोटीन फाइबर तक, पोषक तत्वों से भरपूर काला नमक चावल

आजकल स्वास्थ्य के प्रति जागरूक लोग सामान्य चावल की जगह पौष्टिक विकल्प तलाश रहे हैं। इन्हीं में से एक है काला नमक चावल। यह बेहद पौष्टिक, सुगंधित और स्वादिष्ट चावल है जो कई जरूरी पोषक तत्वों से भरपूर होता है। इस चावल को 'बुद्धा राइस' या इसे 'महात्मा बुद्ध का महाप्रसाद' भी कहा जाता है। इस चावल की खासियत यह है कि यह न सिर्फ पौष्टिक बल्कि स्वादिष्ट भी है। इसमें प्राकृतिक सुगंध होती है, जिससे खाना और भी स्वादिष्ट बन जाता है। इसे दाल, सब्जी, सलाद के साथ खाया जा सकता है। इसकी खिचड़ी भी सेहतमंद होती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि आधुनिक जीवनशैली में पौष्टिक अनाजों को अपनी थाली में शामिल करना जरूरी है। काला नमक चावल सामान्य सफेद चावल का बेहतर विकल्प साबित हो सकता है। हालांकि, किसी भी नए खाद्य पदार्थ को अपनी डाइट में शामिल करने से पहले डॉक्टर या न्यूट्रिशनिस्ट से सलाह अवश्य लें।

काला नमक चावल में आयरन, जिंक, प्रोटीन और फाइबर समेत अन्य पोषक तत्व भी इसमें प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। काला नमक चावल डायबिटीज से पीड़ित लोगों के लिए विशेष रूप से फायदेमंद माना जाता है। इसका ग्लाइसेमिक इंडेक्स बहुत कम होता है, जिससे खाने के बाद ब्लड शुगर लेवल अचानक नहीं बढ़ता। इससे डायबिटीज के मरीज आसानी से अपना खान-पान संतुलित रख सकते हैं। इस चावल के नियमित सेवन से वजन प्रबंधन में भी मदद मिलती है। इसमें मौजूद फाइबर पेट को लंबे समय तक भरा रखता है, जिससे अनावश्यक भूख नहीं लगती और वजन बढ़ने की समस्या कम होती है। जो लोग वजन कम करने की कोशिश कर रहे हैं, उनके लिए यह अच्छा विकल्प साबित हो सकता है।

काला नमक चावल पाचन तंत्र को भी मजबूत बनाता है। फाइबर की अच्छी मात्रा होने के कारण यह कब्ज जैसी आम समस्याओं से राहत दिलाता है और पाचन क्रिया को सुचारू रूप से चलाने में मदद करता है। इसके अलावा, यह हृदय स्वास्थ्य के लिए भी बेहद उपयोगी है। आयरन और जिंक जैसे तत्व शरीर में खून की कमी को दूर करते हैं और रक्त संचार को बेहतर बनाते हैं। इससे हृदय संबंधी जोखिम कम होते हैं। काला नमक चावल बच्चों और महिलाओं के लिए भी फायदेमंद है। आयरन की भरपूर मात्रा एनीमिया यानी खून की कमी की समस्या को दूर करने में सहायक है। जिंक इम्युनिटी बढ़ाता है और प्रोटीन शरीर की मांसपेशियों को मजबूत बनाता है।

हाई बीपी की है शिकायत तो खान-पान को लेकर बरतें अतिरिक्त सतर्कता

अगर आपको हाई बीपी की शिकायत है तो ऐसे में आपको अपने खान-पान का जरूर ध्यान रखना चाहिए। ऐसे कई फूड्स हैं, जिन्हें हाई बीपी के मरीजों को नाश्ते में खाने से बचना चाहिए।

नाश्ता दिन का पहला मील होता है और इसलिए इसका सीधा प्रभाव आपकी सेहत पर पड़ता है। यही कारण है कि आपको अपने नाश्ते का खास ख्याल रखना चाहिए। अमूमन जब आप नाश्ता बनाते हैं तो आपको अपनी हेल्थ कंडीशन पर फोकस करना चाहिए। मसलन, अगर आपको हाई बीपी है तो आपको नाश्ते में कुछ फूड आइटम्स को अवॉयड करना चाहिए। आहार आपके बीपी पर बहुत प्रभाव डाल सकता है। अगर आप सोच-समझकर अपना नाश्ता नहीं बनाते हैं तो इससे आपका ब्लड प्रेशर बढ़ सकता है और आपको परेशान कर सकता है। हाइपरटेंशन समय के साथ कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं जैसे हृदय रोग और स्ट्रोक का कारण बन सकता है। इसलिए, आपको अपने खान-पान को लेकर अतिरिक्त सतर्कता बरतनी चाहिए।

हाई सोडियम सेरल्स

अधिकतर लोग नाश्ते में सेरल्स खाना काफी पसंद करते हैं। हालांकि, अगर आपको बीपी की शिकायत है तो आपको नाश्ते में हाई सोडियम सेरल्स खाने से बचना चाहिए। आजकल मार्केट में रेडी-टू-ईट सेरल्स मिलते हैं। इनमें अक्सर अतिरिक्त नमक या फ्लेवरिंग को मिक्स किया जाता है। सोडियम की अधिकता की वजह से इन सेरल्स का सेवन बीपी के मरीजों के लिए अच्छा नहीं माना जाता है। इसलिए, अगर आपको सेरल्स खाना अच्छा लगता है तो ऐसे में आप कम सोडियम या अनस्वीटन सेरल्स का चयन करें।

फाइड फूड्स

हाई बीपी के मरीजों को नाश्ते में डीप फाइड आइटम्स का सेवन करने से भी बचना चाहिए। फाइड फूड्स में अनहेल्दी फैट्स कंटेंट काफी अधिक होता है, इसलिए जब आप इसका सेवन करते हैं तो इससे आपका वजन बढ़ता है। अधिक वजन ब्लड प्रेशर की शिकायत को बढ़ा सकता है।

व्हाइट ब्रेड और पेस्ट्री

हाई बीपी के मरीजों के लिए रिफांइड आटे से बनी आइटम्स जैसे व्हाइट ब्रेड, पेस्ट्री और अन्य बेक्ड सामान का सेवन करने से बचना चाहिए। इस तरह की फूड आइटम्स ब्लड शुगर लेवल में स्पाइक का कारण बन सकते हैं। इतना ही नहीं, इससे आपका वजन भी बढ़ सकता है। जिससे भी आपके ब्लड प्रेशर की समस्या बद से बदतर हो सकती है।

हाई फैट डेयरी प्रोडक्ट्स

नाश्ते में डेयरी प्रोडक्ट्स का सेवन करना बेहद आम है। अमूमन लोग नाश्ते में दूध व दही आदि का सेवन करते हैं। लेकिन अगर आपको बीपी की समस्या है तो ऐसे में आपको हाई फैट डेयरी प्रोडक्ट्स जैसे फुल फैट मिल्क, फुल फैट चीज आदि से बचना चाहिए। इन तरह के प्रोडक्ट्स में सैचुरेटिड फैट अधिक पाया जाता है। इसलिए, इनके सेवन से ब्लड कोलेस्ट्रॉल लेवल बढ़ सकता है और ऐसे में आपको हाई बीपी की शिकायत हो सकती है। अगर आप डेयरी प्रोडक्ट्स का सेवन करना चाहते हैं तो ऐसे में आप हाई फैट डेयरी प्रोडक्ट्स की जगह स्किम्ड मिल्क आदि का सेवन करना चाहिए।

कुम्हारी के कृष्णा हॉस्पिटल ने रचा चिकित्सा इतिहास

10 किलो के विशाल ट्यूमर का सफल ऑपरेशन

कुम्हारी/दुर्ग। दुर्ग जिले के कुम्हारी स्थित कृष्णा हॉस्पिटल ने एक बेहद जटिल और चुनौतीपूर्ण सर्जरी को सफलतापूर्वक अंजाम देकर चिकित्सा क्षेत्र में एक और उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। अस्पताल की वरिष्ठ स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. संगीता पात्रे ने रायपुर जिले के कोटा निवासी 48 वर्षीय जननी तांडी के पेट से करीब 10 किलो वजनी विशाल ट्यूमर (ओवेरियन मास) का सफल ऑपरेशन किया है। इस कामयाब सर्जरी से मरीज को वर्षों से झेल रही असहनीय दर्द और गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से हमेशा के लिए राहत मिल गई है।

कई अस्पतालों ने खड़े कर दिए थे हाथ- परिजनों ने बताया कि,ट्यूमर का आकार अत्यंत बड़ा और स्थिति गंभीर होने के कारण मरीज व उसके परिजन पिछले कई महीनों से अलग-अलग अस्पतालों के चक्कर लगा रहे थे। ऑपरेशन की अत्यधिक जटिलता और जोखिम को देखते हुए कई बड़े अस्पतालों ने भी सर्जरी करने से असमर्थता जता दी थी, जिससे परिवार पूरी तरह हताश हो चुका था। ऐसे कठिन समय में कृष्णा हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. दिनेश छत्री के मार्गदर्शन में डॉ. संगीता पात्रे ने मरीज का केस हाथ में लिया और अपनी कुशल टीम के साथ इस नामुमकिन से दिखने वाले ऑपरेशन को मुमकिन कर दिखाया।

इस कुशल मेडिकल टीम ने दिया योगदान- इस बेहद संवेदनशील और जटिल ऑपरेशन को सफल बनाने में अस्पताल के अनुभवी डॉक्टरों और तकनीशियनों की टीम का विशेष योगदान रहाः

मुख्य सर्जनः डॉ. संगीता पात्रे (वरिष्ठ स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ)

एनेस्थीसिया विशेषज्ञ (निश्चेतक): डॉ. पी. वर्मा [MBBS, DA (Anesthesia)]

ओटी तकनीशियन (OT Technicians) शिवा सोनी, डी.के. कुमार, गीता कुमारी और ज्योति यादव।

पूरी टीम के आपसी तालमेल और बेहतरीन चिकित्सा कौशल के चलते ही इस विशालकाय ट्यूमर को बिना किसी बड़ी रुकावट के सुरक्षित बाहर निकाला जा सका।

परिजनों ने जताया आभार, अस्पताल प्रबंधन ने थपथपाई पीठ- ऑपरेशन के बाद मरीज की स्थिति पूरी तरह सामान्य और संतोषजनक बनी हुई है। सफल सर्जरी के बाद जननी तांडी और उनके परिजनों ने कृष्णा हॉस्पिटल की पूरी टीम तथा विशेष रूप से डॉ. संगीता पात्रे के प्रति नम आंखों से आभार व्यक्त किया। परिजनों ने कहा, ÷जब हर जगह से हमारी उम्मीदें टूट चुकी थीं, तब कृष्णा हॉस्पिटल के डॉक्टर हमारे लिए देवदूत बनकर आए।÷

हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. दिनेश छत्री ने इस ऐतिहासिक सफलता पर डॉ. संगीता पात्रे, एनेस्थेटिस्ट डॉ. पी. वर्मा और पूरी ओटी टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि कृष्णा हॉस्पिटल हमेशा से ही क्षेत्र के मरीजों को कम खर्च में उच्च स्तरीय और आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं देने के लिए प्रतिबद्ध है और यह सफलता हमारी इसी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। इस बड़ी उपलब्धि के बाद कुम्हारी का कृष्णा हॉस्पिटल पूरे दुर्ग-रायपुर क्षेत्र में एक बार फिर बेहतर और विश्वसनीय स्वास्थ्य सेवाओं के लिए चर्चा का केंद्र बन गया है।

भिलाई के कैलाश नगर में भाजपा झुग्गी-झोपड़ी प्रकोष्ठ ने सुना 'मन की बात', प्रधानमंत्री के संदेशों पर हुई चर्चा

भिलाई। भारतीय जनता पार्टी झुग्गी-झोपड़ी प्रकोष्ठ द्वारा रविवार को बूथ क्रमांक 183, वार्ड-21 कैलाश नगर, भिलाई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' का सामूहिक श्रवण किया गया। कार्यक्रम में पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश झुग्गी-झोपड़ी प्रकोष्ठ के सह संयोजक दिनेश देवांगन, जिला संयोजक मनोज तिवारी, प्रदेश युवा मोर्चा आईटी सेल प्रभारी अमित मिश्रा, प्रदेश किसान मोर्चा कार्यसमिति सदस्य दिनेश मिश्रा, प्रदेश एनजीओ प्रकोष्ठ कार्यसमिति सदस्य राजेश सिंह, जिला सह संयोजक रामानुज प्रसाद, प्रेमचंद गिरी, अजय उपाध्याय सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

इस अवसर पर मातृ शक्ति से मीना गिरी और पुनीत बाई सहित शिव यादव, अर्जुन साहू, अरविंद पांडे, मनीष सिंह, धर्मेंद्र पांडे, रंजीत सोनी, अविनाश कुमार धीरज, दीपक सिंह, संजय शर्मा, चंदन शर्मा और संजू सहित अन्य कार्यकर्ताओं की भी सहभागिता रही।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सदस्यों ने प्रधानमंत्री के संदेशों को ध्यानपूर्वक सुना। इसके बाद सामुदायिक विकास, स्वच्छता, जनहित और सामाजिक सहभागिता जैसे विषयों पर चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री के विचार समाज को सकारात्मक दिशा देने और जनभागीदारी को बढ़ावा देने का संदेश देते हैं।

कार्यक्रम के अंत में आयोजकों ने संकल्प लिया कि भविष्य में भी ऐसे जनजागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन कर प्रधानमंत्री के संदेशों और जनहित से जुड़े विषयों को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाया जाएगा।

ई-श्रम साथी ऐप से श्रमिकों और ठेकेदारों को जोड़ने की पहल, 130 श्रमिक और 6 नियोक्ता पंजीकृत

गरियाबंद। श्रम विभाग द्वारा जिले में ई-श्रम साथी ऐप के माध्यम से श्रमिकों एवं ठेकेदारों को एक डिजिटल मंच पर जोड़ने की पहल की जा रही है। इस व्यवस्था के तहत अब तक 130 श्रमिक एवं 6 नियोक्ता पंजीकृत किए जा चुके हैं। श्रम पदाधिकारी जयंति बंसल ने बताया कि इस ऐप के माध्यम से श्रमिक सीधे ठेकेदारों से संपर्क कर सकेंगे।

डीबी ग्रुप ने शहीद अस्पताल में किया विशाल रक्तदान शिविर

दल्लीराजहरा। डीबी ग्रुप राजहरा द्वारा शहीद ब्लड सेंटर, शहीद अस्पताल में विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में युवाओं, महिलाओं एवं समाज के विभिन्न वर्गों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए कुल 74 यूनिट रक्तदान किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष तोमन साहू उपस्थित रहे। उन्होंने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि स्वैच्छिक रक्तदान मानवता की सबसे बड़ी सेवा है तथा प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को नियमित रूप से रक्तदान के लिए आगे आना चाहिए। इस अवसर पर राजहरा थाना प्रभारी अविनाश सिंह भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने स्वयं भी रक्तदान कर समाज के प्रति प्रेरणादायक संदेश दिया। साथ ही उपस्थित लोगों को यातायात नियमों की जानकारी देते हुए हेलमेट के महत्व पर प्रकाश डाला और सभी दोपहिया वाहन चालकों से हमेशा हेलमेट पहनकर वाहन चलाने की अपील की। शिविर में रक्तदान करने वाले सभी रक्तवीरों को हेलमेट भेंट कर सम्मानित किया गया, ताकि रक्तदान के साथ-साथ सड़क सुरक्षा के प्रति भी लोगों में जागरूकता बढ़े। महिलाओं एवं युवा वर्ग ने भी बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए रक्तदान किया। डीबी ग्रुप पिछले 11 वर्षों से रक्तदान सेवा के क्षेत्र में निरंतर कार्यरत है। संस्था के माध्यम से अब तक 8,000 से अधिक यूनिट रक्तदान कराया जा चुका है। रक्तदान के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए संस्था समय-समय पर जागरूकता अभियान चलाती है। संस्था का उद्देश्य हर घर से एक रक्तदाता तैयार करना है, ताकि किसी भी परिवार में रक्त की आवश्यकता पड़ने पर परिवार का सदस्य ही रक्तदान कर अपने परिजन की मदद कर सके और किसी भी जरूरतमंद को रक्त के अभाव में परेशानी का सामना न करना पड़े। कार्यक्रम के सफल आयोजन पर डीबी ग्रुप ने सभी रक्तदाताओं, मुख्य अतिथि, थाना प्रभारी, अतिथियों, सहयोगियों एवं आमजन का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी समाजहित में ऐसे जनसेवा के कार्य निरंतर जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया। रक्तदान शिविर को सफल बनाने के लिए डोनेट ब्लड वेलफेयर फाउण्डेशन डीबी ग्रुप एवं शहीद ब्लड सेंटर की टीम का सहयोग रहा।

यज्ञ स्थल मे धर्म रक्षार्थ यज्ञ एवं जन सेवा समिति के सदस्यों ने किया वृक्षारोपण

बलौदाबाजार। नगर के हृदय स्थल मे स्थित यज्ञ स्थल मे धर्म रक्षार्थ यज्ञ एवं जन सेवा समिति बलौदाबाजार के सदस्यों द्वारा बारिश होने के पश्चात पूजा पाठ मे उपयोग आने वाले एवं जीवनोपयोगी फल फू ल और आक्सीजन युक्त पौधों का रोपण किया गया साथ ही वहां उग आए खरपतवार की भी साफ-सफाई की गई। समिति के सदस्यों ने बताया की इस स्थल पर प्रत्येक वर्ष समिति के सदस्यों द्वारा जन सहयोग से भव्य महायज्ञ का आयोजन किया जाता है जिसमे हजारों की संख्या मे श्रद्धालु एवं सैकड़ों कलाकार स्थानीय राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के अपनी प्रस्तुतियां देते हैं। यज्ञ स्थल मे धार्मिक सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं अनुष्ठान लगातार बिना किसी विघ्न के सम्पन्न हों उसके लिए समिति के सदस्यों के आग्रह पर विधायक एवं कैबिनेट मंत्री टंकराम वर्मा द्वारा ओपन सभागार का निर्माण कराया गया है।

बरतियाभांठा के वीर सपूत को 55 वर्ष बाद मिलेगा सम्मान

भंवरपुर। रविवार 26 जुलाई को बरतियाभांठा गांव के लिए बेहद ही खास होने वाला है। बसना पदमपुर रोड दशहरा मैदान में तैयार हो चुके शहीद स्मारक के भव्य लोकार्पण के साथ ही एक बार फिर 55 वर्ष पुरानी भारत पाकिस्तान युद्ध की यादें ताजा होकर बरतियाभांठा गांव के साथ ही साथ छत्तीसगढ़ के प्रत्येक ग्रामीण को गौरवान्वित करेगी। गौरतलब है कि बसना विधायक संपत अग्रवाल की पहल से अंचल के दो वीर सपूतों की स्मृति को अक्षुण्ण बनाए रखने, शहीदों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने और भावी पीढ़ी को प्रेरित करने विकासखण्ड मुख्यालय बसना के पदमपुर रोड स्थित दशहरा मैदान में भव्य शहीद स्मारक बनकर तैयार हो चुका है जिसका लोकार्पण रविवार 26 जुलाई को सुबह 10 बजे से दोपहर 1.45 तक आयोजित समारोह में किया जाएगा। बताया गया है कि यह स्मारक ग्राम बरतियाभांठा में जन्मे और पले बढ़े तथा वर्ष 1971 में भारत पाकिस्तान युद्ध में अदम्य साहस, शौर्य और सर्वोच्च बलिदान देने वाले अमर शहीद योगेश्वर दास तथा बसना के वीर सपूत मेजर डॉ गगनदीप सिंह भाटिया की पावन स्मृति में बनाया गया है। सांसद रुप कुमारी चौधरी तथा विधायक संपत अग्रवाल सहित अनेक विशिष्ट जनों तथा जनप्रतिनिधियों के आतिथ्य में यह समारोह आयोजित होगा।

विधायक निधि से 16 शासकीय स्कूलों को मिले 25 कंप्यूटर सिस्टम, विद्यार्थियों को मिलेगा डिजिटल शिक्षा का लाभ

भिलाई नगर। वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र के विधायक रिकेश सेन ने शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए विधायक निधि से क्षेत्र के 16 शासकीय विद्यालयों को 25 कंप्यूटर सिस्टम उपलब्ध कराए हैं। इस पहल का उद्देश्य सरकारी स्कूलों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को डिजिटल शिक्षा से जोड़ना और उन्हें आधुनिक तकनीक का व्यावहारिक ज्ञान उपलब्ध कराना है।

विधायक निधि से उपलब्ध कराए गए कंप्यूटर सिस्टम के माध्यम से छात्र-छात्राओं को कंप्यूटर शिक्षा, डिजिटल संसाधनों और सूचना प्रौद्योगिकी आधारित अध्ययन का लाभ मिलेगा। इससे विद्यार्थियों के तकनीकी कौशल का विकास होगा तथा वे भविष्य की प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं और रोजगार के अवसरों के लिए बेहतर ढंग से तैयार हो सकेंगे।

इस अवसर पर विधायक रिकेश सेन ने कहा कि वर्तमान समय में कंप्यूटर शिक्षा प्रत्येक विद्यार्थी के लिए आवश्यक हो गई है। सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों को भी निजी विद्यालयों की तरह आधुनिक डिजिटल सुविधाएं उपलब्ध हों, इसी सोच के साथ विधायक निधि से कंप्यूटर सिस्टम उपलब्ध कराए गए हैं।

विद्यालय प्रबंधन और शिक्षकों ने इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि कंप्यूटर सिस्टम मिलने से विद्यार्थियों को प्रायोगिक प्रशिक्षण प्राप्त होगा और स्कूलों में सूचना प्रौद्योगिकी आधारित शिक्षा को नई गति मिलेगी।

इन विद्यालयों को मिले कंप्यूटर सिस्टम

- शासकीय हाई स्कूल, जुनवानी
- शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, सुपेला
- गुरु घासीदास शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, कोहका
- शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, सुपेला
- शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, कोसा नगर
- स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, जुनवानी
- शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, वैशाली नगर
- शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, कुरुद
- स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी माध्यम विद्यालय, हाउसिंग बोर्ड
- शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, मुक्तिधाम रामनगर
- शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, वृंदा नगर
- शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, कैंप-1
- स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, जेपी नगर (कैंप-2)
- शासकीय हाई स्कूल, कैंप-2
- शासकीय हाई स्कूल, कृष्णा नगर (सुपेला)

स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, फरीद नगर

यह पहल क्षेत्र के सरकारी विद्यालयों में डिजिटल शिक्षा को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। इससे विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीकी शिक्षा का लाभ मिलेगा और उनकी शैक्षणिक गुणवत्ता में भी सुधार होने की उम्मीद है।

वाद-मुक्त ग्रामीण भारत की दिशा में अभिनव पहल : कम्यूनिटी मीडियेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम का भव्य शुभारंभ

दुर्ग : वाद से समाधान, मध्यस्थता से सम्मान और सौहार्द से सशक्त समाज का निर्माण÷ के मूल उद्देश्य को साकार करते हुए सर्वोच्च न्यायालय एवं छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के0 विनोद कुजूर के मार्गदर्शन में तथा राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (NALSA), नई दिल्ली द्वारा जारी "Community Mediation Towards a Litigation-Free Rural India" स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (SOP), 2026 के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग द्वारा दिनांक 25 जुलाई 2026 से 29 जुलाई 2026 तक पांच दिवसीय कम्यूनिटी मीडियेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय, दुर्ग (छत्तीसगढ़) के चतुर्थ तल स्थित नवीन सभागार में किया जा रहा है। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ दिनांक 25 जुलाई 2026 को प्रातः 08:45 बजे आयोजित होने वाले भव्य उद्घाटन समारोह के साथ किया जाएगा।

कम्यूनिटी मीडियेशन अर्थात् सामुदायिक मध्यस्थता ग्रामीण भारत में सामाजिक समरसता, आपसी सौहार्द एवं वैकल्पिक विवाद समाधान की संस्कृति को सुदृढ़ करने की दिशा में एक ऐतिहासिक एवं जनहितकारी पहल है। इसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में उत्पन्न होने वाले सामाजिक, पारिवारिक, पड़ोसी, भूमि एवं अन्य सामुदायिक विवादों का न्यायालयों तक पहुँचने से पूर्व ही आपसी संवाद, सहमति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में शांतिपूर्ण निराकरण सुनिश्चित करना है।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग के सचिव उमेश कुमार भागवतकर ने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग द्वारा ÷वाद-मुक्त ग्रामीण भारत÷ के निर्माण के संकल्प के साथ जिले के पांच ग्राम घुघसीडीह, ननकट्ठी, अरसनारा, निकुम एवं कुथरेल का चयन किया गया है, जहाँ कम्यूनिटी मीडियेशन की अवधारणा को जन-जन तक पहुँचाने एवं सामुदायिक मध्यस्थता तंत्र को सुदृढ़ बनाने के लिए विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम, प्रशिक्षण कार्यशालाएँ एवं संवाद सत्र आयोजित किए जाएंगे। इन ग्रामों से चयनित 15 कम्यूनिटी मीडियेटर्स इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में सहभागिता करेंगे, जिन्हें Potential Trainers द्वारा कम्यूनिटी मीडियेशन की संपूर्ण प्रक्रिया, उसके व्यावहारिक पक्षों एवं विवाद समाधान के कौशलों का गहन प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग द्वारा इस महत्वाकांक्षी पहल को सफल बनाने हेतु मल्टी सेक्टोरियल एप्रोच (Multi-Sectoral Approach) को अपनाया गया है। इसके अंतर्गत राजस्व विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, पशु चिकित्सा विभाग सहित अन्य विभागीय प्रशासनिक अधिकारियों के साथ-साथ जिला दुर्ग स्थित समस्त विधि महाविद्यालयों के प्राध्यापकगण एवं विद्यार्थीगण का सक्रिय सहयोग प्राप्त किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त पैरालीगल वालंटियर्स (PLVs), स्थानीय जनप्रतिनिधियों, पंचायत पदाधिकारियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं की सहभागिता भी इस अभियान को जन-आंदोलन का स्वरूप प्रदान करेगी।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com